हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

21 जनवरी, 1998

(प्रथम बैठक)

खण्ड 1, अंक 4

अधिकृत विवरण

विषय सूची

बुधवार, 21 जनवरी, 1998

	पृष्ठ संख्या
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(4)1
नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(4)21
स्वास्थ्य विभाग द्वारा कीटनाशी/दवाईयों आदि की खरीद की जांच संबंधी मामला उठाना	(4)26
नियम 30 के अधीन प्रस्ताव	(4)29
वाक आउट	(4)30
बैठक का स्थगन	(4)30
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)31
वैयक्तिक स्पष्टीकरण---	(4)33
कृषि मंत्री द्वारा	
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)33
वैयक्तिक स्पष्टीकरण---	
कृषि मंत्री द्वारा	(4)40
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)40
वाक आउट	(4)49
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)50

मूल्य : 182 00

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 21 जनवरी, 1998

(प्रथम बैठक)

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में प्रात: 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रो० छत्तर सिंह चौहान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : मैम्बर साहेबान, अब सवाल होंगे।

Providing of Cattle Ghat

***464 Shri Dev Raj Dewan :** Will the Minister of State for Irrigation be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct "Cattle Ghats" in villages of Barwasni and Mahara in District Sonipat ?

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्ष कुमार) : गांव बड़वासनी दिल्ली ब्रांच की आर० डी० 2,08,000 पर स्थित है और एक पशु घाट पहले ही इस स्थान पर बना हुआ है। लेकिन गांववासियों ने दूसरा पशु घाट बनाने की मांग की है क्योंकि गांव में पशुओं की संख्या बढ़ गई है। इस पशु घाट को बढ़ाने का प्रस्ताव वर्ष 1998-99 में बनाने के लिए विचाराधीन है। माहरा गांव के लिए सोनीपत डिस्ट्रीब्यूट्री पर पहले ही एक पशु घाट बना हुआ है जोकि माहरा गांव की पूर्णतया पूर्ति करता है। इसलिए गांव माहरा के लिए नया पशु घाट बनाने की कोई योजना नहीं है।

श्री देवराज दीवान : अध्यक्ष महोदय, माहरा सोनीपत जिले का एक बहुत बड़ा गांव है। वहां पर छोटा सा पशुघाट पूरे गांव को कवर नहीं कर पाता है इसलिए मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि वे अपने फैसले पर दोबारा विचार करें और इस गांव के लिए सुविधायें जुटायें।

श्री हर्ष कुमार : अध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि वहां पर घाट की जरूरत है । लेकिन माहरा गांव के पास जो जुआं का आठ फुट का फाल है उसकी वजह से पशुओं की सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हो सकती । इसलिए वहां पर घाट बनाना नामुमकिन है ।

श्री देवराज दीवान : अध्यक्ष महोदय, जब गांव वाले खुद चाहते हैं कि वहां पर घाट बने क्योंकि उन्हें मुसिबत का सामना करना पड़ता है फिर मंत्री जी क्यों नहीं इस बारे में सोचते ?

श्री हर्ष कुमार : वैसे वहां दूसरा घाट एक किलोमीटर नजदीक पड़ता है इसलिए वहां दूसरा घाट नहीं बन सकता ।

श्री जगदीश नायर : अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के हसनपुर में हसनपुर रजबाहे की सरकार ने अच्छी तरह से खुदाई करवाई है परन्तु उसका छोटा सा टुकड़ा रह गया है जोकि एक किलोमीटर के करीब है । मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि उस एक किलोमीटर के टुकड़े की खुदाई कब तक पूरी हो जायेगी ।

श्री हर्ष कुमार : अध्यक्ष महोदय, हसनपुर माईनर की खुदाई का काम अभी भी चल रहा है वह खत्म नहीं हुआ है और मैं अपने साथी को बताना चाहता हूं कि वह एक किलोमीटर का टुकड़ा 31 मार्च तक पूरा हो जायेगा ।

Amount Spent on the Repair/Construction of New Roads

***485. Capt. Ajay Singh Yadav :** Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state Sub division-wise amount spent on the repair of roads and on the construction of new roads in the State during the year 1996-97 and 1997 to-date ?

Public Works Minister (Shri Dharam Vir Yadav) : Information regarding Sub Division wise amount spent on repair of roads and on the construction of new roads in the State during 1996-97 and during 1997 upto 30th November, 1997 is placed at Annexure—'A'.

ANNEXURE—'A'

Sub Divisionwise amount spent on repair/construction of New Roads in the State during 1996-97 and 1997 upto 30th November, 1997.

Sr. No.	Name of Sub-Division	Amount spent on repair of roads		Amount spent on construction of new roads	
		During 1996-97 Rs. Lac	During 1997 upto 30-11-97 Rs. Lac	During 1996-97 Rs. Lac	During 1997 upto 30-11-97 Rs. Lac
1	2	3	4	5	6
1.	Kalka	44.16	29.17	105.29	16.58
2.	Panchkula	166.99	75.72	55.62	14.97
3.	Naraingarh	137.72	59.79	29.30	27.77
4.	Jagadhri	179.33	102.44	23.11	2.89
5.	Ambala	149.83	106.13	49.85	34.17
6.	Thanesar	125.49	148.88	2.80	3.83
7.	Pehowa	174.81	43.01	7.07	6.26
8.	Gurgaon	199.79	118.23	1.35	0.52
9.	Nuh	173.58	90.21	2.10	0.10
10.	Ferozepur Jhirka	127.60	36.65	17.62	1.92
11.	Palwal	60.81	39.46	0.97	—
12.	Hodal	44.15	14.25	15.42	—
13.	Hathin	30.55	43.78	2.47	0.02
14.	Faridabad	49.79	36.02	—	—
15.	Ballabgarh	105.85	40.64	—	—
16.	Karnal	152.85	71.20	13.92	6.86
17.	Assandh	35.32	22.02	2.28	—
18.	Panipat	171.67	110.34	24.17	14.82
19.	Gohana	127.64	22.58	16.03	11.94

[Shri Dharam Vir Yadav]

1	2	3	4	5	6
20.	Sonepat	122.31	28.16	19.55	6.52
21.	Ganaur	30.98	27.01	—	—
22.	Rohtak	259.74	81.92	6.86	8.94
23.	Meham	112.82	61.23	9.31	7.36
24.	Jhajjar	175.87	64.91	34.96	27.50
25.	Bahadurgarh	86.40	28.57	11.03	1.03
26.	Jind	239.58	58.29	12.21	4.72
27.	Safidon	64.03	14.70	2.52	1.06
28.	Narwana	145.22	43.79	2.03	0.05
29.	Kaithal	270.49	100.05	22.30	3.75
30.	Guhla	37.18	12.96	3.65	—
31.	Siwani	32.93	47.68	14.34	0.41
32.	Hansi	217.35	93.90	20.63	2.21
33.	Hisar	245.76	130.89	26.73	11.18
34.	Fatehabad	135.77	92.23	56.42	11.40
35.	Tohana	98.65	52.30	2.12	0.87
36.	Sirsa	143.05	60.84	16.99	2.60
37.	Ellenabad	62.79	28.64	14.74	5.63
38.	Dabwali	39.13	21.34	0.48	0.01
39.	Bhiwani	307.25	139.01	7.49	1.81
40.	Bawani Khera	115.69	43.05	28.47	6.85
41.	Charkhidadri	189.63	116.12	17.28	11.69
42.	Loharu	53.11	8.34	29.00	1.10
43.	Mohindergarh	143.80	48.66	7.21	0.74
44.	Narnaul	187.79	73.50	2.39	0.28
45.	Rewari	174.54	170.14	9.47	8.45
46.	Kosli	50.20	62.29	—	2.43
	Total	5999.99	2921.04	747.55	271.24

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने रिप्लाई में यह जो 170 लाख रुपए के आंकड़े दिखाए हैं कि ये रिवाड़ी में खर्च किए गए हैं । इन्होंने तो

अखबार में अपने ब्यान में भी कहा था कि मैं इस प्रकार की सड़कें बनवा दूंगा कि किसी व्यक्ति के पेट का पानी भी नहीं हिलेगा । (विघ्न) ये तो कहते हैं कि इन्होंने 170 लाख रुपए रिवाड़ी हल्के में लगाये हैं । लेकिन मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि गांव किशनगढ़ और किलोईवास में सड़क नाम की कोई चीज ही नहीं है । वहां पर केवल कागजों में ही सड़कें बनवाई गई हैं । अगर मौके पर जाकर देखा जाए या मंत्री जी अगर वहां पर दौरा करके देखें तो पता चलेगा कि वहां पर सड़कों की कितनी बुरी हालत है ।

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने कहा है कि मैंने अखबार में ब्यान दिया था कि हम ऐसी सड़कें बनवा देंगे कि किसी के पेट का पानी भी नहीं हिलेगा । मैं इनको बताना चाहता हूं कि यह सरकार और मेरा विभाग चौधरी बंसी लाल जी की बजारत में काम कर रहा है । मैंने तो यहां तक कहा था कि ऐसी सड़कें हम बनवा देंगे कि इन पर चलते समय किसी को कोई ठोकर नहीं लगेगी, किसी के पेट का पानी नहीं हिलेगा तथा किसी की धरण नहीं डिगेगी । (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदन को बताना चाहता हूं कि सरकार की नीति और नीयत बिल्कुल साफ है । यह सरकार बजारत ऐसा नहीं करती है कि बांधो घोड़ी और बतावे घोड़ा । हर इलाके में हमने पी0 डब्ल्यू0 डी0 डिपार्टमैंट की जन्म-पत्री बनाई है कि विस्तृत रूप से किस-किस गांव में कितना-कितना पैसा खर्च किया जा चुका है और कितना कर रहे हैं ।

श्री अध्यक्ष : डा0 साहब, कैप्टन साहब का एक गांव नन्दरामपुर बास मेरे पड़ौस में है । मैंने इनके समय में कहा था कि वहां पर स्कूल बने पर इन्होंने स्कूल तो नहीं बनाया । अब हमारी सरकार के शिक्षा मंत्री महोदय ने वहां पर 10 + 2 का स्कूल बना दिया है । ये मांग कर रहे हैं कि इनके वहां धारूहेड़ा-नंदरामपुर बास सड़क ठीक करवा दी जाए तो मंत्री जी से मेरा आग्रह है वह ठीक करवा दी जाए ।

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, नन्दरामपुर बास सड़क के लिए ऐस्टीमेट बना दिया गया है और काम शुरु करवा दिया गया है ।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मेरा मंत्री जी से स्पैसीफीकली सड़कों के बारे में प्रश्न था । इसके अतिरिक्त कुछ ऐसी भी सड़के हैं जिन पर काम शुरु हो गया था जैसे कि गढ़ी अलावलपुर व महेश्वरी की सड़कें । इन पर अर्थ वर्क तो हो गया था लेकिन 2 साल हो गए हैं उसके बाद वहां पर कुछ नहीं हुआ । दूसरी सड़क नन्दरामपुर बास-धारूहेड़ा के बारे में जिक्र किया गया है वहां पर पानी इकट्ठा हो जाता है उसकी बहुत बुरी हालत है । बड़े अफसोस की बात है कि 2 वर्ष से वहां पर एक भी पैसा नहीं लगाया गया । वहां पर वाइडनिंग का काम भी शुरु किया गया था लेकिन 2 साल से काम रुका पड़ा है । मैं विशेष रूप से इस सड़क के बारे में जानना चाहता हूं कि इसका काम कब पूरा करेंगे ।

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, इस सड़क पर डेढ़ लाख रुपए खर्च होना है । वहां पर काम शुरू हो गया है और अभी पूरा होने में समय लगेगा । मैंने कल भी सदन में बताया था लेकिन पता नहीं कैप्टन साहब यहां पर फिजिकली प्रजैन्ट नहीं थे या मैन्टली प्रजैन्ट नहीं थे । मैं इनको बताना चाहता हूं कि पिछली बार मौसम खराब होने की वजह से यह काम नहीं किया जा सका । पिछले साल मानसून जल्दी आई और देर से गई जिसकी वजह से फसलों की बिजाई और कटाई भी अस्त-व्यस्त हो गई । नवम्बर और दिसम्बर के महीने में भी बारिश होती रही जिसकी वजह से यह कार्य पिछले साल नहीं हो पाया । लेकिन मैं बताना चाहता हूं कि हमारी सरकार चौधरी बंसी लाल की वजारत में नेक नीयति से काम करने के लिए वचनबद्ध है ।

श्री छिलू राम : अध्यक्ष महोदय, ये तीन-चार महीने पहले मेरे हल्के गुहला में गए थे इनके साथ एक-दो आदमी और भी थे । वहां पर इन्होंने सड़कों की खराब हालत को देखा था । (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, वहां पर सड़कें दो साल से खराब हैं । मैंने पिछले सत्र में भी इस बारे में प्रार्थना की थी (विघ्न) 1993 में जब बाढ़ आई थी तभी से वहां पर सड़कें खराब हैं लेकिन आज तक ठीक नहीं की गई हैं । इसके लिए मैं मंत्री जी को भी मिल चुका हूं । अतः मेरी इनसे प्रार्थना है कि इनको जल्द से जल्द ठीक करवाएं । (विघ्न) मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को यह भी याद दिलाना चाहता हूं कि जब ये वहां पर गए थे तो इनको सरोपा भेंट किया गया था । इन्होंने सरोपे की कसम खाकर कहा था कि वे इस 2-3 किलोमीटर की सड़क को ठीक करवा देंगे । लेकिन इन्होंने सड़क को ठीक नहीं करवाया और अपने वायदे को भूल गए । अतः मेरी इनसे प्रार्थना है कि उस हलके की तरफ ध्यान दिया जाए क्योंकि वह भी हरियाणा का एक हिस्सा है ।

श्री धर्मबीर यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि वहां पर 26 सड़कों का काम शुरू है उसको पूरा किया जाएगा ।

श्री धीर पाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने मेन सवाल के लिखित उत्तर में जो आंकड़े दर्शाए हैं उनको देखने के बाद मुझे ऐसा एहसास हुआ है कि इसके सीरियल नम्बर 25 पर बहादुरगढ़ सब डीविजन के आंकड़े दर्शाए गए हैं वहां पर 1996-97 में 86.40 लाख रुपए की राशि खर्च की है और 1997 के दौरान 30-11-97 तक 28.57 लाख रुपए की राशि खर्च की है आगे चल कर सीरियल नम्बर 39 पर भिवानी के बारे में आंकड़े दर्शाए गए हैं वहां पर पहले 307.25 लाख रुपए और उसके बाद 139.01 लाख रुपए की राशि खर्च की गई है । इसी तरह से बवानीखेड़ा में पहले 115.69 लाख और फिर 43.05 लाख रुपए खर्च किए गए । इसी तरह से चरखी दादरी में पहले 189.63 और बाद में 116.12 लाख रुपए खर्च किए गए । स्पीकर साहब, ये आंकड़े यह दर्शा रहे हैं कि इस सरकार ने बहादुरगढ़ सब डिवीजन के साथ राजनैतिक द्वेष के कारण सौतेला व्यवहार किया

है । वहां पर सड़कों का बहुत कम काम किया गया है यह अच्छी बात नहीं है प्रदेश के लोगों को अपने मत का प्रयोग करने का अधिकार है चाहे वे किसी को भी अपना मत दें लेकिन उनके साथ ऐसा नहीं करना चाहिए । सारा हरियाणा एक है ।

Mr. Speaker : Please ask the question and don't make the statement.

श्री धीर पाल सिंह : मैं यह जानना चाहता हूं कि बहादुरगढ़ सब डिवीजन के साथ राजनैतिक द्वेष की भावना से सौतेला व्यवहार क्यों किया गया है वहां कम सड़कों की रिपेयर क्यों की गई है ?

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, आनरेबल मैम्बर ने सरकार पर इल्जाम लगाया है कि भिवानी, बवानीखेड़ा और चरखी दादरी में सड़कों की रिपेयर का काम ज्यादा किया है और बहादुरगढ़ सब डिवीजन में कम किया है । अध्यक्ष महोदय हमने हर काम में बहादुरगढ़ को प्रायर्टी दे रखी है । जो रोहतक, भिवानी, चरखी दादरी और खिड़ाड़ी जो चार शहर हैं 1995 में इनकी सड़कें बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई थीं सारी सड़कें टूट गई थीं पिछली सरकार ने उन सड़कों की रिपेयर का काम नहीं किया था इसलिए उन सड़कों की रिपेयर का काम इस सरकार को करना पड़ा इसलिए यह ज्यादा पैसा खर्च हुआ है ।

Upgradation of Schools

*492. **Shri Krishan Lal :** Will the Minister for Education be pleased to state ; whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the Government , Girls High School, Madlauda (Panipat) to 10+2 school ?

शिक्षा मंत्री (श्री राम विलास शर्मा) : वर्तमान में विद्यालय को स्तरोन्नत करने का कोई प्रस्ताव नहीं है ।

श्री कृष्ण लाल : स्पीकर साहब, मडलोडा ब्लाक हैड क्वार्टर है और एक बड़ा कस्बा है और उसके 20 किलोमीटर के सैराउंडिंग एरिया में कोई भी राजकीय कन्या उच्च विद्यालय नहीं है इन्होंने एक सवाल के जवाब में यह माना था कि मडलोडा ब्लाक हैड क्वार्टर है उस विद्यालय में लड़कियों की संख्या पूरी है वहां पर पांच एकड़ जमीन में एक स्टेडियम भी है और जब भी भविष्य में उस विद्यालय को अपग्रेड किया जाएगा तो उस समय इस पर विचार किया जाएगा । आज फिर मैं इनसे जानना चाहता हूं कि क्या ये भविष्य में उस विद्यालय को अपग्रेड करने के बारे में आप पुनर्विचार करेंगे ?

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, किसी भी विद्यालय को अपग्रेड करने के कुछ नार्म्ज हैं । इस विद्यालय में कमरे कम हैं उसके पास जमीन केवल तीन एकड़ ही है । मैं माननीय सदस्य से कहना चाहूंगा कि वे हमें वहां पर दो कमरे और इसके अलावा तीन एकड़ जमीन और उपलब्ध करवा दें फिर इस बारे में विचार कर लिया जाएगा ।

श्री जगदीश नायर : अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने जिन-जिन स्कूलों का दर्जा बढ़ाया है उनमें अभी तक एक-एक टीचर ही गया है । मैं यह जानना चाहता हूं कि उन स्कूलों में पूरा स्टाफ कब तक पहुंच जाएगा ?

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने ठीक ही कहा है हमने बहुत से स्कूलों का दर्जा बढ़ाया है । उसके अनुसार उनमें अध्यापक भेजने का भी प्रयास किया गया है लेकिन फिर भी अभी हम पूरा स्टाफ नहीं भेज सके हैं । हमने 89 बैच पर अध्यापक भर्ती किए हैं उनमें से कुछ अध्यापकों ने ड्यूटी ज्वायन कर ली है और कुछ रहते हैं वे भी अपनी ड्यूटी ज्वायन करने वाले हैं ।

श्री देवराज दीवान : स्पीकर साहब, सोनीपत जिले में ककरोई और पीनाना बहुत बड़े-बड़े गांव हैं । क्या सरकार का उन स्कूलों को अपग्रेड करने का कोई विचार है ?

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, इनका कल भी इस बारे में एक सवाल था । उसका समयाभाव के कारण जवाब नहीं दिया जा सका लेकिन मैंने उसका लिखित जवाब दे दिया था । इस बारे में सरकार पुनर्विचार करेगी ।

श्री देव राज दीवान : मैं माननीय मंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि इस पर वे पुनर्विचार करें ।

श्री राम बिलास शर्मा : देवराज जी की बात पर हम जरूर पुनर्विचार करेंगे ।

श्री कृष्ण लाल : अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने मछौंड़ा स्कूल को अपग्रेड करने का आश्वासन दिया है, इसके लिए मैं इनका धन्यवाद करता हूं । मैं इनके नोटिस में लाना चाहूंगा कि उस स्कूल के पास 3 एकड़ जमीन है । ये दो कमरे बनाने की बात कह रहे हैं हम दो नहीं 4 कमरे बना देंगे, ये हमें कोई समय निर्धारित करके दे दें । लेकिन स्कूल को अपग्रेड कर दें । वहां पर दो एकड़ जमीन स्टेडियम के लिए अलग से है । कुल 5 एकड़ जमीन है । उस स्कूल की चार दीवारी भी बनी हुई है । वहां पर 20 किलोमीटर के आस-पास कोई प्लस टू का स्कूल नहीं है । लड़कियों को दूर जाना पड़ता है इसलिए मेहरबानी करके ये उस स्कूल को अपग्रेड कर दें ।

श्री राम बिलास शर्मा : टैन प्लस टू स्कूल के लिए 5 एकड़ जमीन की आवश्यकता होती है और वहां पर 12 कमरे होने चाहियें । ये वहां पूरी जमीन और कमरों का प्रबंध करवा दें तो हम मडलौडा के स्कूल को अपग्रेड करने पर अवश्य विचार करेंगे ।

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि जिस तरह पिछले साल स्कूल अपग्रेड किये गए थे क्या उसी प्रकार से इस साल भी या आने वाले साल में स्कूल अपग्रेड किये जायेंगे क्योंकि पिछले साल भिवानी जिले में सबसे अधिक स्कूल अपग्रेड किये गए थे । क्या अब भी उसी प्रकार का भेदभाव बरता जायेगा ?

श्री राम बिलास शर्मा : मैं माननीय सांसी को बताना चाहूंगा कि पिछली बार सारे हरियाणा में सब जिलों में और सभी चुनाव क्षेत्रों में स्कूल अपग्रेड किए गए थे । धीरपाल जी का माजरे का स्कूल अपग्रेड किया गया, इसका आश्वासन हमने दिया था, वह पूरा किया । इसी प्रकार से बलवंत सिंह के गांव का स्कूल अपग्रेड किया । भागी राम जी के हलके में भी स्कूल अपग्रेड किया गया । कप्तान अजय सिंह ने तो बाकायदा लिखित रूप में हमारा धन्यवाद किया है । पिछले साल जिन-जिन स्कूलज को अपग्रेड करने की मांग आई और जो नार्म्ज पूरे करते थे, सभी स्कूल अपग्रेड कर दिये गए थे । इस साल भी हम उसी अनुसार करेंगे । भागीराम जी को भिवानी का वैसे ही फोबिया हो रहा है । जबकि हमने कोई भेद भाव किसी के साथ नहीं किया क्योंकि जिस विधायक की तरफ से, पंचायत की तरफ से किसी स्कूल को अपग्रेड करने की मांग आई तो नार्म्ज के हिसाब से हमने सारे स्कूल अपग्रेड किए थे । इस बार भी उसी प्रकार से स्कूल अपग्रेड करेंगे ।

Indira Awas Yojana

*503. **Shri Kailash Chander Sharma** : Will the Minister for Development & Panchayats be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to release the grant in cash to the poor people for the construction of their houses under 'Indira Awas Yojana' in place of providing building materials ?

विकास मंत्री (श्री कंवल सिंह) : लाभार्थियों को नकद अनुदान देने की बजाये सामग्री सस्ते दरों पर उपलब्ध करवाने का समन्वय प्रबन्ध किया जाता है और इस प्रणाली को बदलने की सरकार की कोई इच्छा नहीं है ।

श्री कैलाश चन्द्र शर्मा : स्पीकर साहब, मैं यह कहना चाहता हूं कि मेरा यह सवाल नकद रुपये का नहीं था । मैं मंत्री महोदय की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि इन्दिरा आवास योजना के तहत वहां पर 67 मकान बनाए गए । इसमें गवर्नमैंट की तरफ से ईंटों के लिए 1100 रुपये प्रति हजार के हिसाब से नकद मिलते हैं जबकि भट्ठों वालों की तरफ से इनके 1400 रुपये लिए जा रहे हैं इसलिए हर मकान में दो नम्बर की ईंट लगाई जा रही है । ईंट का रेट काफी बढ़ गया है । 1100 रुपये में भी अव्वल ईंट कहीं मिलती नहीं है । भट्टे वाले दोबारा ईंट उनको नहीं देते हैं । उनका सामान उठा कर वे वापिस भेज देते हैं । भट्टे वाले कहते हैं कि 1400 रुपये का रेट दिलाओ तो एक नम्बर की ईंट देंगे, 1100 रुपये हमें सरकार से मिलते हैं, बाकी का पैसा किश्तों में जाता है । जैसे आज कोई सामान गया है और उसके बाद बाकी सामान दो महीने बाद जाता है इस बीच कारीगर और मजदूर अपने-अपने घर चले जाते हैं । अध्यक्ष महोदय, 67 के 67 मकानों में यह शिकायत है कि उनमें दो नम्बर की ईंट इस्तेमाल हो रही है (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, खरी ईंट 1400 रुपये से कम में कहीं मिलती नहीं है इसलिए वहां पर दोम ईंट का इस्तेमाल किया जा रहा है । मंत्री महोदय स्वयं देख सकते हैं, मैं ईंटें उखाड़ कर इनको दिखा सकता हूं ।

श्री कंवल सिंह : अध्यक्ष महोदय, हमारे नोटिस में अभी तक ऐसी कोई बात नहीं है माननीय सदस्य ने अभी यहां पर यह बात बताई है । मैं स्वयं भी वहां पर जा कर देख सकता हूं और हम इसमें डिपार्टमैंटल इन्क्वायरी भी करवा देंगे । किसी भी किस्म की दो नम्बर की ईंट नहीं लगने दी जाएगी । जो सरकारी रेट है वह सामान्य से कुछ ज्यादा होता है, अगर किसी को सस्ती ईंट मिलती है तो वह उसका इस्तेमाल कर सकता है । सस्ती ईंट लेने का उपभोक्ता को अधिकार है । सरकार जो रेट निर्धारित करती है उपभोक्ता को अगर उससे सस्ते रेट पर कहीं मिलती है तो वह ले सकता है । (विघ्न)

श्री कैलाश चन्द्र शर्मा : अध्यक्ष महोदय, 1700 रुपये रेट से नीचे एक नम्बर की ईंट कहीं नहीं मिल रही है और दो नम्बर की ईंट लगाई जा रही है । क्या इस बारे में ये कोई कार्यवाही करेंगे ?

श्री कंवल सिंह : अध्यक्ष महोदय, हम इस बारे में इन्क्वायरी करवा लेंगे और अगर कोई दोषी पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी ।

श्री कैलाश चन्द्र शर्मा : ठीक है, आप इन्क्वायरी करवा लें ।

खाद्य तथा पूर्ति मंत्री (श्री गणेशी लाल) : अध्यक्ष महोदय, इस बारे में मैं थोड़ी सी क्लैरिफिकेशन देना चाहूंगा । भट्ठों का मामला फूड एण्ड सप्लाई से भी जुड़ा हुआ है क्योंकि उनको लाईसैंस लेना पड़ता है । इस बारे में मैं स्पष्ट करना चाहूंगा

कि हमने सभी डिप्टी कमिश्नर्ज को ये हिदायतें जारी की हुई हैं कि वे ईंट का रेट फिक्स कर सकते हैं । ब्रिक-किलन या भट्ठे के मालिक अगर उपभोक्ताओं की एक्सपलायटेशन करते हैं तो उनके खिलाफ केस दर्ज करवाया जा सकता है । डिप्टी कमिश्नर्ज की इजाजत से ही ईंट का रेट तय होता है । ईंट सरकारी या गैर सरकारी सभी उपभोक्ताओं को उसी रेट पर उपलब्ध रहेगी और अगर कोई एक्सपलॉयटेशन की बात हो तो उस भट्ठा मालिक के खिलाफ कार्यवाही की जा सकती है ।

श्री बिरेन्द्र सिंह कादयान : अध्यक्ष महोदय, कैलाश चन्द्र जी ने ईंटों के रेट की बात कही है भट्ठे बन्द होने के कारण ईंट की काफी दिक्कत है । मैं यह कहना चाहूंगा कि ईंट का रेट ज्यादा है इसलिए ब्लॉक लैवल पर ईंटों के रेट को रिवाईज कर दिया जाए ।

श्री कंवल सिंह : अध्यक्ष महोदय, जो रेट सरकार निर्धारित करती है उसके हिसाब से ही ईंटों का रेट तय होता है । पहले भी मैंने कहा है कि उपभोक्ता को अगर कहीं सस्ती ईंट मिलती है तो वह ले सकता है । (विघ्न)

श्री सूरज मल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहूंगा कि श्री कैलाश चन्द्र जी ने ईंटों के रेट की बात को उठाया है और दो नम्बर की ईंट के इस्तेमाल होने की बात कही है लेकिन मन्त्री जी कह रहे हैं कि ऐसी कोई बात नहीं है । अध्यक्ष महोदय कोई हल्का या जगह ऐसी नहीं है जहां पर दो नम्बर की ईंट का इस्तेमाल न हुआ हो । अगर किसी को देखना है तो मेरे हल्के में जा कर देख सकता है । 1100 रुपये के रेट पर कहीं कोई ईंट नहीं मिलती है और जो मिलती भी है वह दो नम्बर की ही मिलती है । (विघ्न)

श्री कंवल सिंह : अध्यक्ष महोदय, ये दो नम्बर के काम ही करते रहे हैं इसलिए इनको दो नम्बर के अलावा और कुछ दिखाई ही नहीं पड़ता है । (हंसी)

श्री जय सिंह राणा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी से यह जानना चाहता हूं कि सरकार ने इस काम पर कितना पैसा खर्च किया है । मेरे हल्के के नीलोखेड़ी ब्लॉक में गरीब आदमियों को मकान बनाने के लिए चार या पांच हजार रुपया जमा करवाने के लिए कहा जाता है और उनके पास इतना पैसा होता नहीं है । क्या यह बात मन्त्री महोदय के नोटिस में है और यदि नहीं तो क्या वे इस बारे में जांच करवाएंगे ?

श्री कंवल सिंह : अध्यक्ष महोदय जब यह स्कीम शुरु हुई उस वक्त मकान 10.00 बजे बनाने के लिए बैनीफिशरी को 9 हजार रुपये दिए जाते थे, उसके बाद 1989-1990 में 10-20 हजार रुपये, 1990-1991 में 17 हजार रुपये और अब 1996-1997 में 20 हजार रुपए दिए जाते हैं । जहां तक पैसा जमा करवाने की बात है तो मैं इनको बताना चाहता हूं कि ऐसी कोई बात नहीं है । अगर इनकी नौलेज में ऐसी कोई बात है तो ये हमें बता दें, इस बारे में कार्यवाही की जाएगी ।

श्री रमेश कुमार : अध्यक्ष महोदय, इन्दिरा आवास योजना के तहत जो मकान बनाने का मैटिरीयल पहुंचाया जाता है, उसमें जे0ई0 और बी0 डी0 ओ0, मकान बनाने वाले को कहते हैं कि फलाना-फलाना सामान फलानी-फलानी जगह से लो । मैं यह पूछना चाहता हूं कि उसके साथ यह जबरदस्ती क्यों की जाती है । दूसरे अध्यक्ष महोदय, कुछ मैटिरियल को लेने की मंजूरी एक महीने में दी जाती है और कुछ की दूसरे महीने में दी जाती है । इन्हें इस बारे में टाईम फिक्स करना चाहिए ताकि वह एक ही महीने में सारा मैटीरियल ले सके।

बागवानी एवं विपणन राज्य मंत्री (श्री जगबीर सिंह मलिक) : अध्यक्ष महोदय, मैं इनको यह कहना चाहता हूं कि जो ये सवाल पूछ रहे हैं उसमें किसी को प्रोब्लम हुई हो तो मुझे बताएं । हम इनकी सारी शिकायतें दूर कर देंगे ।

श्री रमेश कुमार : अध्यक्ष महोदय, मैंने इनसे सवाल नहीं किया है । मैंने कंवल सिंह जी से सवाल किया है और वे ही मेरा जवाब दें ।

श्री जगबीर सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, मैं इस महकमे से सम्बन्धित हूं । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : कैलाश चन्द्र शर्मा जी, आपने अपने प्रश्न की जो लैंग्वेज लिखकर दी थी, वहीं इसमें लिखी हुई है । यह मैंने पढ़कर देख लिया है ।

Construction of a By-Pass

*498 **Shri Dharam Bir Gauba :** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a by-pass from Chandu Village to Sultan Pur Bird Sanctuary (Lake) in District Gurgaon, during the year 1997-98;

(b) the total length of raods in kilometres have been constructed/ repaired in Gurgaon Sub Division during the period referred to in part (a) above ?

Public Works Minister (Shri Dharam Vir Yadav) :

(a) No, Sir.

(b) During the year 1997-98, 0.25 km. Earth work has been done on a new road under construction. In regard to repairs, the Re-construction work in a length of 4.32 km., Premix Carpet in 37.69 km., heavy patch work in 107.05 km. and normal patch work of 254.41 km. has been done.

श्री धर्मवीर गाबा : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने जो फिगर्ज अभी पढ़ी हैं, वह लिखित जवाब में प्रिंट नहीं है । इसको लिखित जवाब में भी यह फिगर्ज देनी चाहिए थीं । यह जो इन्फर्मेशन दी गई है it is not relevant. He has replied that during the year 1997-98, 403.47 k m. length of roads have been repaired in Gurgaon Sub Division. The work on incomplete portion of road from Mau to Malpura has also been taken up. क्या मंत्री जी यह बताएंगे कि यह गुड़गांव सबडिविजन में है या किसी और डिविजन में है ?

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, मैंने जो रिप्लाई दी है वह वही है जो मैंने सदन की जानकारी के लिए बताई है ।

श्री धर्मवीर गाबा : अध्यक्ष महोदय, आपके पास भी प्रिंटिड जवाब है । आप उसमें देख लें कि जो इन्होंने जवाब दिया है, क्या वह इसमें है ?

श्री अध्यक्ष : गाबा जी, आप यह बताएं कि आप पूछना क्या चाहते हैं ?

श्री धर्मवीर गाबा : अध्यक्ष महोदय, मैंने जो सवाल किया है ये उसका जवाब दें ।

Mr. Speaker : Which part of the question has not been properly replied ?

श्री धर्मवीर गाबा : सर, मैं यह पूछना चाहता हूं कि whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a by-pass from Chandu village to Sultan Pur Bird Sanctuary (Lake) in District Gurgaon, during the year, 1997-98 ? इसका तो इन्होंने जवाब दिया नहीं और पता नहीं कहां से दूसरा जवाब दे दिया ।

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, ऐसा कोई प्रवधान नहीं है ।

श्री अध्यक्ष : गाबा साहब, अब जवाब तो आ गया है ।

श्री धर्मवीर गाबा : स्पीकर सर, अगर आप इजाजत दें तो मैं अपनी सप्लीमैंट्री पूछना चाहता हूं ।

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि गाबा साहब फिजीकली तो प्रैजेंट हैं और मैंटली ऐबसेंट हैं । जवाब के अंदर पार्ट 'ए' में मैंने "नो सर" कहा है और पार्ट 'बी' में मैंने जानकारी दी है जिसको आप भी देख सकते हैं ।

श्री धर्मवीर गाबा : स्पीकर सर, आप हमें तो कह देते हैं लेकिन इनको कुछ नहीं कहते कि ये किस लैंगवेज में बात करते हैं और किस ढंग से बात करते हैं । यह मंत्री जी का जवाब देने का क्या तरीका है ? (विघ्न) स्पीकर सर, या तो मंत्री जी हमारे सवाल का जवाब दें या फिर हमें यह कहा जाए कि आईंदा से हम क्वैश्चन ही न पूछें । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप सभी बैठिए । कप्तान साहब, आप भी बैठें । कप्तान साहब, आपसे गाबा साहब सीनियर हैं फिर आप उनको क्यों डायरेक्शन दे रहे हैं । आप उनको बोलने दें । उनको बोलने में रुकावट न डालें । आप उनको बोलने का तरीका नहीं बता सकते हैं । बोलने का तरीका तो उन्होंने आपको बताना है क्योंकि वे आपसे सीनियर हैं । (विघ्न)

श्री जय सिंह राणा : स्पीकर सर, मंत्री जी ने जो गलत बात कही है उसको कार्यवाही से निकाला जाना चाहिए । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : राणा साहब, आपकी पार्टी का मैम्बर क्वैश्चन पूछ रहा है इसलिए आप बीच में क्यों बोल रहे हैं ?

श्री जय सिंह राणा : स्पीकर सर, * * * *

श्री अध्यक्ष : अब जो भी ये बोल रहे हैं उसको रिकार्ड न किया जाए । (विघ्न)

श्री धर्मवीर गाबा : स्पीकर सर, हम विधान सभा में बैठे हैं और यहां पर बैठकर इनको इस तरह से नहीं बोलना चाहिए । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : मेरी आप सभी लोगों से प्रार्थना है कि क्वैश्चन आँवर में जिस मैम्बर का क्वैश्चन है उन्हीं को बोलने दें और उनको बीच में इंट्रप्ट न करें । गाबा साहब, आप सवाल पूछिए ।

श्री धर्मवीर गाबा : In reply to part (b) it has been stated--

"During the year 1997-98, 403.47 km. length of roads have been repaired in Gurgaon Sub-Division."

क्या मंत्री जी बताएंगे कि कौन सी रोड है जिसके ऊपर इतना पैसा खर्च किया गया है ? शहर के अंदर की पी0 डब्ल्यू0 डी0 की जो सड़कें हैं क्या वे उसमें नहीं आतीं, क्या उनकी रिपेयर नहीं हो सकती ?

श्री धर्मवीर यादव : स्पीकर सर, यह जो फिगर्ज दी हैं इनके बारे में मैं आपको बताना चाहता हूं कि गुड़गांव से झाड़सा की सड़क, झाड़सा से बजीराबाद, झाड़सा

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

से कन्हेयी, गुड़गांव से दौलताबाद, सिकन्दरपुर से नाथूपुर की सड़क तथा ऐसी ही कुछ और सड़कों पर यह पैसा खर्च किया गया है। सर, माननीय सदस्य बता रहे हैं कि म्यूनिसिपल कमेटी के अंदर की सड़कें भी टूटी हुई हैं लेकिन हम तो उनकी रिपेयर एक बार कर चुके हैं। वे सड़कें दोबारा से टूट गयी हैं। अब उनके लिए दोबारा से ऐस्टीमेट्स बन चुके हैं और जल्दी ही इन पर फिर काम शुरू कर दिया जाएगा।

श्री धर्मवीर गाबा : स्पीकर सर, मंत्री जी को कम से कम पहले तैयारी करके आना चाहिए और तभी उनको जवाब देना चाहिए। वे जवाब तो सही दिया करें। मैं इनसे जानना चाहता हूं कि क्या कोई सड़क सिकन्दर पुर से नाथूपुर जाती है ? वहां एक नेशनल हाई-वे है और यह मेरी कांस्टीच्यूएंसी की बात है इसलिए मुझे पता है कि वहां ऐसी कोई सड़क नहीं है।

श्री अध्यक्ष : गाबा साहब, आप बहुत सीनियर मैम्बर हैं। आप जो बोल रहे हैं वह मेरी समझ में ही नहीं आ रहा है इसलिए आप थोड़ा सा स्पष्ट बोला करें।

श्री धर्मवीर गाबा : अध्यक्ष महोदय, मैं कहता हूं कि ये गलत जवाब क्यों देते हैं। जैसे कैप्टन अजय सिंह के सवाल के जवाब में इन्होंने बताया कि सड़कों की मरम्मत पर डबवाली में 1 हजार, नूंह में 2 हजार, गुड़गांव में 12 हजार और हथीन में 5 हजार रुपया खर्च हुआ।

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, मैंने एक हजार नहीं बल्कि एक लाख कहा होगा। एक हजार में तो कोई न कोई पैच वर्क किया होगा। हालांकि सड़कों पर तो 500 रुपये तक भी खर्च किए जाते हैं। जैसा कि माननीय सदस्य ने कहा कि सिकन्दरपुर से नाथूपुर कोई सड़क नहीं जाती तो इस बारे मेरा कहना है कि आप कोई दो सदस्य वहां भेज दें, टैक्सी का भाड़ा मैं दे दूंगा वे यहां आकर बता दें कि सिकन्दरपुर से नाथूपुर कोई सड़क जा रही है या नहीं ? "ए" स्टेशन से "बी" स्टेशन कोई सड़क जा रही है तो "ए" स्टेशन का नाम लिया जाता है जो दाणी है उसका नाम पहले लिया जाता है।

तारांकित प्रश्न संख्या 516

यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य, श्री रणदीप सिंह सुर्जेवाला सदन में उपस्थित नहीं थे।

Construction of New Roads

*519. **Shri Ramesh Kumar :** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state wherher there is any proposal under consideration of the Government to construct the following new roads of district Sonipat :—

(i) Ranakheri to Bagru ;

(ii) Siwana-Mal to Bagru ;

(iii) Chhichhrana to Kathura ;

(iv) Busana to Badhoti ; and

(v) Chhathera to Matand ?

लोक निर्माण मंत्री (श्री धर्मवीर यादव) : नहीं, श्रीमान जी ।

श्री रमेश कुमार : अध्यक्ष महोदय, मेरे बड़ोदा हलके की जो ये 4-5 सड़कें राणाखेड़ी से बागडू, सिवाना मल से बागडू, छिछराना से कथूरा, बुसाना से बाढ़ोड़ी तथा छतेहरा से मातण्ड सड़कें हैं, इनके बारे में मैंने पिछले सैशन में भी क्वैशचन दिया था । उस समय भी यह जवाब आया था कि धन की उपलब्धता होने पर यह सड़कें बना दी जाएंगी । क्या मंत्री जी बताएंगे कि यह धन कब तक उपलब्ध होगा और ये सड़कें कब तक बनाई जाएंगी ?

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जितने स्टेशनों के नाम लिए हैं, ये सभी स्टेशन सड़क से जुड़े हुए हैं । अब ये उन पर डुप्लीकेट लिंक मांग रहे हैं । इनके लिए अभी हम कोई धन उपलब्ध नहीं करा सकते ।

श्री रमेश कुमार : मंत्री जी ने कहा है कि डुप्लीकेट लिंक मांग रहे हैं, ये ठीक नहीं है यह सड़कें अभी बनी ही नहीं हैं ।

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, यह नक्शा मैं लेकर आया हूं । कोई भी सदस्य देख सकता है कि यह डुप्लीकेट लिंक है या नहीं ।

श्री रमेश कुमार : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी के पास तो नक्शा है लेकिन मैं नक्शा देखे बगैर कहता हूं कि आप 5 आदमियों की कमेटी गठित कर दें और वे वहां जाकर देख आएं । अगर मंत्री जी की बात सच होगी तो मैं मान लूंगा अन्यथा मेरी बात को मंत्री जी मान लें ।

श्री अध्यक्ष : रमेश कुमार जी, आप और धीर पाल सिंह जी मंत्री जी से जाकर मिल लें फिर कल आप इस बारे मुझे बताना ।

Upgradation of School

***514. Shri Banta Ram Balmiki :** Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the Government Middle School, Ghilour in district Yamunanagar ?

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : वर्तमान में स्कूल को अपग्रेड करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

श्री बन्ता राम बाल्मीकि : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से शिक्षा मंत्री महोदय से यह अनुरोध करूंगा कि घिलौर स्कूल का दर्जा बढ़ाया जाये क्योंकि उन्होंने कहा कि मैंने सब विधायकों की मांगों को मध्य नजर रखकर हर हल्के की मांग को पूरा किया है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप सवाल पूछिये।

श्री बन्ता राम बाल्मीकि : स्पीकर सर, घिलौर स्कूल को अपग्रेड करने के बारे में शिक्षा मंत्री जी ने इंकार किया है जबकि घिलौर स्कूल के आस पास 12-14 किलोमीटर तक किसी भी स्कूल को अपग्रेड नहीं किया गया है। चूंकि इस इलाके में भूमिहीन लोग ज्यादा हैं इसलिए वहां के स्कूल को अपग्रेड करने से ये इंकार कर रहे हैं।

श्री अध्यक्ष : आप सवाल पूछिये।

श्री बन्ता राम बाल्मीकि : यमुनानगर राजकीय माध्यमिक विद्यालय का दर्जा बढ़ाने की बात इन्होंने की थी परन्तु उस स्कूल का दर्जा भी नहीं बढ़ाया है। मैं शिक्षा मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि घिलौर स्कूल का दर्जा बढ़ाया जाये।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, बन्ता राम जी ने खुद यह बात स्वीकार की है कि पिछले साल इनके हल्के रादौर में चार स्कूलों का दर्जा बढ़ाया गया है। जैसा कि इन्होंने घिलौर स्कूल के दर्जे को बढ़ाने की बात की है। हमने इस बारे में सर्वेक्षण करवाया है। वह स्कूल दर्जा बढ़ाने के नार्म्ज को पूरा नहीं करता है। वहां कमरों की कमी एवं तीन एकड़ जमीन की भी कमी है। यह सब ये पूरा करा दें तो हम इस बारे विचार कर लेंगे।

श्री बन्ता राम बाल्मीकि : मैं संघोरा के स्कूल को अपग्रेड करने के लिए दो एकड़ जमीन देने का आश्वासन देता हूं।

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, ये संधौरा की बात कर रहे हैं जबकि यहां बिलौर की बात हो रही है । ये वहां के नाम्र्ज पूरे करवा दें तो हम उस स्कूल को अपग्रेड करने बारे विचार कर लेंगे ।

Hadwa Gangoli and Padana Drains

*523. **Shri Ramphal Kundu :** Will the Minister of State for Irrigation be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to widen (double) the Hadwa Gangoli and Padana drains ; if so, the time by which the said proposal is likely to be materialized ?

सिंचाई राज्य मन्त्री (श्री हर्ष कुमार) : हां श्रीमान जी । हाड़वा गंगोली लिंक ड्रेन तथा पड़ाना ड्रेन को चौड़ा करने की योजना बनाई गई है । योजना स्वीकृत होने के बाद व धन उपलब्ध होने पर वर्ष 1998 में कार्यान्वित की जाएगी ।

श्री रामफल कुंडू : अध्यक्ष महोदय, यह क्वैश्चन मैंने पिछली बार सत्र के दौरान भी लगाया था । उस समय यह जवाब दिया गया था कि जून, जुलाई, 1997 तक यह काम पूरा कर दिया जायगा और अब मंत्री जी कह रहे हैं कि 1998 में यह काम पूरा कर दिया जायेगा । सर, मंत्री जी गलत ब्यान जारी कर रहे हैं ।

श्री हर्ष कुमार : अध्यक्ष महोदय, मेरे साथी ने जैसा कहा है मेरे ख्याल से वे पूरी स्थिति से अवगत नहीं हैं । मैं उनको बताना चाहूंगा कि 1995 की बाढ़ के दौरान पानी की क्षमता अधिक होने के कारण जल के बहाव के कारण बाढ़ ग्रस्त एरिया 11 वर्गमील से बढ़कर 22.24 वर्गमील हो गया जिससे पड़ाना ड्रेन की क्षमता 44 क्यूसिक से बढ़कर 89 क्यूसिक हो गई । पड़ाना ड्रेन बुर्जी नं0 74,700 के दांई ओर हाड़वा गांव के पास गिरती है । उसकी वर्तमान क्षमता 125 क्यूसिक की बजाय 170 क्यूसिक है जिसमें 45 क्यूसिक फालतू क्षमता भी शामिल है । इस काम को पूरा करने के लिए 1 करोड़ 25 लाख रुपये की स्कीम हरियाणा राज्य बाढ़ नियंत्रण बोर्ड से पास करवाने के लिए बनाई जाएगी जो कि बहुत जल्दी ही बनने वाली है । यह योजना मंजूर होने के बाद और पैसा आने के बाद वर्ष 1998-99 के दौरान यह कार्य पूरा कर दिया जाएगा ।

श्री राम फल कुण्डू : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी कह रहे हैं कि 1 करोड़ 25 लाख रुपए की योजना बनाने जा रहे हैं । मैं कहना चाहता हूं कि योजनाएं तो बन जाती हैं लेकिन कार्य कुछ होता नहीं है । वास्तव में अगर वहां पर एक लाख रुपए भी लग जाते तो यह समस्या नहीं आनी थी । न कहां पर पाईप हैं, न खुदाई का ही काम हुआ है और न ही पुल हैं । कहीं पर भी साईफन नहीं है । अगर छोटी-छोटी ड्रेनज भी बना दी जाए तो यह समस्या नहीं रहेगी । सर, करोड़ों रुपए की स्कीम तो बना दी जाती हैं लेकिन वास्तव में कुछ भी कार्य नहीं होता है ।

श्री हर्ष कुमार : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि बाढ़ग्रस्त क्षेत्र 11 वर्ग मील से बढ़कर 22.24 वर्ग मील हो गया । यह बढ़ोतरी सफीदों हल्का के गांव होशियारपुरा, मलहार, रोजला, कलावती, कालवा, भुटाना, खरक गागर, रामनगर, हाड़वा, गंगोली, भागखेड़ा, मौरगी इत्यादि के क्षेत्र मिल कर हुई । बाढ़ग्रस्त क्षेत्र राम नगर का पानी जो पहले पम्प के द्वारा रोजला माईनर में डाला जाता था वह अब रोजला माईनर के नीचे बुर्जी नं0 36,100 के नीचे साईफन द्वारा हाड़वा गंगोली ड्रेन में डालने के कारण बाढ़ग्रस्त क्षेत्र 2.56 वर्ग मील बढ़ गया । सर, एक और प्रस्ताव बुटाना लिंक ड्रेन बनाने का है जिसका बाढ़ग्रस्त क्षेत्र 5.56 वर्ग मील है । यह ड्रेन भी हाड़वा गंगोली की बुर्जी नं0 33,500 पर डलेगी । इसके अतिरिक्त एक और खरक गागर ड्रेन जिसका बाढ़ग्रस्त क्षेत्र 3.12 वर्ग मील है, भी हाड़वा गंगोली ड्रेन की बुर्जी नं0 23,300 के दाईं ओर डलेगी । इस प्रकार हाड़वा गंगोली ड्रेन का कुल बाढ़ग्रस्त क्षेत्र 22.24 वर्ग मील बन जाता है । मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि इनकी जो मांग है, उससे भी आगे बढ़कर हम ने इंजीनियरों से सर्वेक्षण करवाया है जिसके अनुसार उन गांवों में जो मैंने अभी-अभी बताए हैं, उन की इस तरह की समस्याएं धन उपलब्ध होने पर वर्ष 1998-99 में दूर कर दी जाएंगी ।

Appointment of M.B.B.S. & Dental Surgeons

*556. **Shri Mani Ram :** Will the Minister for Health be pleased to state whether it is a fact that appointment of M.B.B.S. and Dental Surgeons have been made recently on contract basis in the State, if so, the reasons thereof ?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश महाजन) : हां, श्रीमान जी, राज्य में ग्रामीण क्षेत्रों में डाक्टरों तथा दन्त सर्जनों की कमी है । जब तक हरियाणा लोक सेवा आयोग से नियमित तौर पर पदों को नहीं भरा जाता तब तक खाली स्थानों को ठेके पर 6 मास के लिए पदों को शीघ्र भरने का प्रयास किया गया है ।

श्री मनी राम : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी का जवाब तो हां में आया है । (विघ्न) ग्रामीण क्षेत्रों में डाक्टरों और दन्त चिकित्सकों की कमी है । मैं पूछना चाहता हूं कि यह कमी कब से है ? इस सरकार को भी बने हुए लगभग दो साल हो गए हैं । एक व्यक्ति 25-30 वर्ष की आयु में जाकर डाक्टर बनता है और यदि तब भी उसको ठेके पर नियुक्त किया जाएगा तो उसके साथ इससे बड़ा मजाक और क्या होगा ? अध्यक्ष महोदय, हरियाणा लोक सेवा आयोग के माध्यम से डाक्टरों की भर्ती न करके ठेके पर भर्ती की गई है । यह एक मजाक है । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आपने भाषण देना है तो जब आपकी बारी आएगी तब दे देना । यह तो प्रश्न काल चल रहा है । आप प्रश्न पूछिए ।

श्री मनी राम : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रश्न ही तो पूछ रहा हूं । इस सरकार को बने हुए लगभग दो साल हो गए हैं और राज्य में डाक्टरों की अभी भी कमी है परिणामस्वरूप अब डाक्टरों की भर्ती भी ठेके पर की जा रही है । यह एक भद्दा मजाक है । (विघ्न) मैं पूछना चाहता हूं कि आखिर हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा डाक्टरों की भर्ती किए जाने में क्या दिक्कत है ?

श्री ओम प्रकाश महाजन : माननीय अध्यक्ष महोदय, सदन में बैठे सभी सदस्यगण को फख्र होना चाहिए कि आज भारत में अपना हरियाणा एक ऐसा प्रान्त है जहां डैन्टल सेवा पूरे ग्रामीण क्षेत्र में शुरु करने की बात की जा रही है । पब्लिक सर्विस कमीशन की तरफ से डाक्टरों की भर्ती करने में बहुत समय लग जाता है । हमने 31-1-97 को पब्लिक सर्विस कमीशन को इस बारे में रिक्वीजिशन भेजी हुई है और जब तक इस कमीशन की तरफ से कोई आदेश नहीं आ जाता तब तक हमने ठेके पर डाक्टरों को रख लिया है ।

श्री मनी राम : अध्यक्ष महोदय, मैं यह पूछना चाहता हूं कि जब पब्लिक सर्विस कमीशन इस बारे में एडवरटाईज करेगी और डाक्टरों की भर्ती करेगी तो जो डाक्टर ये कंट्रैक्ट बेसिस पर रखे गए हैं क्या इनको रैगुलर किया जाएगा ?

श्री ओम प्रकाश महाजन : जैसा कि मैंने पहले भी बताया है कि कमीशन को हमने इस बारे में 31-1-97 को रिक्वीजिशन भेज दी थी । इसमें अभी कुछ समय लगेगा । हमने उनको दोबारा भी रिमाइंड करवाया है । अभी दो महीने पहले ही इसके बारे में हमने दोबारा मांग की है कि हमें डाक्टरों की अप्वांयटमैंटस दी जाए । जिस दिन अप्वायटमैंटस आ जाएगी, उस दिन ये जो डाक्टर 6-6 महीने के लिए ठेके पर रखे गए हैं, इनको हटा दिया जाएगा ।

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने जनवरी 1997 में पब्लिक सर्विस कमीशन को डाक्टरों की भर्ती के लिए आवेदन किया है । मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि एक साल के अन्दर इन्होंने दोबारा कमीशन को कितनी बार रिमाइंड करवाया है क्योंकि अभी तक इन्होंने ऐसा कोई जवाब नहीं दिया है कि कब तक पब्लिक सर्विस कमीशन की तरफ से डाक्टरों की सिलैक्शन हो जाएगी ?

श्री ओम प्रकाश महाजन : अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले भी जवाब दिया है कि हमने दोबारा भी कमीशन को कहा है । मेरे ख्याल से बहुत जल्दी ही उनकी तरफ से ये पोस्टें एडवरटाईज हो जाएंगी और भर्ती हो जाएंगी । हम भी चाहते हैं कि ये सारे खाली स्थान जल्दी भरे जाएं । हरियाणा में डाक्टरों की कुल सैंक्शंड 1642 पोस्टें हैं इनमें से 1402 पर डाक्टर काम कर रहे हैं और 240 पोस्टें खाली हैं । इन 240 सीटों को भरने का हम प्रावधान कर रहे हैं । पहले 137 कैंडीडेटस को अप्वायटमैंटस दी गई जिनमें से 60 डाक्टरों ने ज्वाइन किया । सर, गांव के अन्दर

डाक्टर जाना नहीं चाहते बल्कि वे शहरों में ही रहना चाहते हैं इसलिए बहुत कम ही डाक्टर उपलब्ध होते हैं ।

श्री मनी राम : मैं यह पूछना चाहता हूं कि जो डाक्टर 6 महीने के लिए ठेके पर रखे गए हैं क्या वे 6 महीने की सर्विस के बाद एकाउंट फोर होंगे या उनको निकालकर उनके साथ मजाक किया जाएगा ?

श्री ओम प्रकाश महाजन : ये जो डाक्टर्ज 6 महीने के लिए कंट्रैक्ट पर रखे गए हैं । इनकी सर्विस 6 महीने की हो जाने पर इनको निकाल दिया जाएगा ।

श्री अध्यक्ष माननीय सदस्यगण, अब प्रश्न काल समाप्त होता है ।

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Allotment of Land to Social Institutions/Trusts etc.

*559. **Shri Ram Pal Majra :** Will the Minister for Town & Country Planning be pleased to state—

(a) whether there is any scheme with the Haryana Urban Development Authority to allot land to Social Institutions/Trusts etc. in the State ; if so, the details thereof ; and

(b) whether Haryana Urban Development Authority has allotted the land to Randhir Kisan Bhawan, Kaithal during the year 1995; if so, the rate and criteria fixed for the allotment of the land to the said Bhawan ?

नगर तथा ग्राम आयोजना मंत्री (सेठ सिरी किशन दास) :

(क) हां श्रीमान् । विषय संदर्भित वर्तमान नीति जोकि यादी क्रमांक 16028–33 दिनांक 6–5–97 और यादी क्रमांक 35307–27 दिनांक 24–10–97 द्वारा जारी की गई के अनुसार ऐसी संस्थाओं को भूमि का नियतन, उक्त उद्देश्य हेतु, सम्बन्धित उपायुक्त की अध्यक्षता में गठित कमेटी की सिफारिशों के आधार पर (आवेदन पत्र आमन्त्रित करने के उपरान्त) किया जाता है ।

(ख) हां श्रीमान्, रणधीर सिंह किसान भवन सभा, कैथल को 10–11–95 को किसान भवन के निर्माण हेतु एक एकड़ भूमि नियत की गई थी यह भूमि 99 वर्षीय पट्टे पर 228 रुपये प्रति वर्ग गज की दर से नियत की गई थी । परन्तु सभा 25 प्रतिशत राशि निर्धारित

[सेठ सिरी किशन दास]

30 दिन के अन्दर जमा करवाने में असमर्थ रही, इसलिये नियतन रद्द कर दिया गया । प्रतिवादी ने उक्त नियतन रद्द करने बारे आदेशों के विरुद्ध प्रशासक, हुड्डा पंचकूला (अपील सुनने हेतु नियुक्त अधिकारी) के सम्मुख अपील दायर की थी जोकि स्वीकृत कर ली गई । सम्पदा अधिकारी हुड्डा कैथल ने आगामी अपील, राज्य सरकार के पास अपील स्वीकृत करने के आदेशों के विरुद्ध दायर कर रखी है, जोकि अभी विचाराधीन है ।

Canal Water

*465. **Shri Dev Raj Dewan :** Will the Minister of State for Irrigation be pleased to state whether it is a fact that the Canal Water does not reach upto the tail of Village Chatia-Auhilia of District Sonipat; if so, the reasons thereof togetherwith the steps taken or proposed to be taken to supply the water upto the tail of the above said village ?

सिंचाई राज्य मन्त्री (श्री हर्ष कुमार) : चटिया-ओलिया गांव सरदाना डिस्ट्री-ब्यूट्री की आर0 डी0 -42,000 के विपरीत स्थित है। खरीफ मौसम 1997 में नहर के लगातार चलने से उसके धरातल में गाद जमा हो गई थी तथा नहर के किनारों पर जंगली घास उग गया था जिसकी वजह से अन्तिम छोर पर पानी पहुंचने में कमी आती थी। अब गाद तथा जंगली घास की सफाई नहर के हैड से टेल तक पूरी कर दी गई है और इस समय नहर में पानी इसकी क्षमता अनुसार चल रहा है ।

Road Constructed by Haryana State Agricultural Marketing Board

*486. **Capt. Ajay Singh :** Will the Minister of State for Horticulture be pleased to state Market Committee wise total length of road constructed by the Haryana State Agriculture Marketing Board in the State during the year, 1991-92, 1992-93, 1993-94, 1994-95, 1995-96 and 1997 todate togetherwith the names of the roads and amount spent on each road ?

Interim Reply

"From

Jagbir Singh Malik,
Minister of State for Horticulture & Marketing,
Haryana, Chandigarh.

To

The Speaker,
Haryana Vidhan Sabha,
Chandigarh.

Memo No. PS/MHM/98/
Chandigarh dated the 16 January 1998

Sub: Starred Assembly Question No. 486 tabled by Capt. Ajay Singh M. L. A. regarding roads constructed by Haryana State Agricultural Marketing Board.

Sir,

Kindly refer to the subject cited above. A photo copy of the question tabled by the Hon'able M. L. A. is enclosed herewith for ready reference. The information sought by the Hon'able Member would involve collecting information from the various Market Committees for six years. It involves collection of voluminous data from various sources and it has been estimated that it would require atleast one month.

2. In view of the above, it is requested that the Govt. may be allowed one month's time to submit reply to this question.

Yours faithfully
Sd/-
(Jagbir Singh Malik)"

Upgradation of 33 KV Power Station Madlouda

*493. **Shri Krishan Lal :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the 33 KV Power Station Madlouda (Panipat) to 132 KV Power Station ?

मुख्य मन्त्री (श्री बंसी लाल) : नहीं श्रीमान् जी, वर्तमान समय में 33 के0 वी0 उपकेन्द्र मतलौडा की क्षमता बढ़ाकर 132 के0 वी0 करने का कोई प्रस्ताव नहीं है ।

De-Recognition of Homoeopathic College Gurgaon

*499. **Shri Dharam Bir Gauba :** Will the Minister of state for Ayurveda be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the Homoeopathic College of Gurgaon during the last year has been de-recognised; if so, the reasons thereof; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to open Homoeopathic College in the State; if so, the criteria fixed for the purpose ?

आयुर्वेद राज्य मन्त्री (श्रीमती कान्ता देवी) :

(क) केन्द्रीय होम्योपैथिक परिषद द्वारा गुड़गांव में किसी कालेज को मान्यता प्रदान नहीं की गई है इसलिये सरकार द्वारा अमान्य करने का प्रश्न ही नहीं उठता।

(ख) नहीं, श्रीमान् जी।

Setting up of 33 KV Sub-Stations

*520. **Shri Ramesh Kumar :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up 33 KV Sub-Stations at Baroda Butana, Bhawar, Mundlana Jagsi and Gangana Villages of Baroda constituency ?

मुख्य मन्त्री (श्री बंसी लाल) : हां, श्रीमान् जी, बड़ौदा चुनाव क्षेत्र के गांव बुटाना तथा खानपुर कलां में नये 32 के0 वी0 उप-केन्द्रों का निर्माण करने की योजना है। प्रश्न में संदर्भित सभी गांवों को इनसे लाभ होगा क्योंकि ये 10 किलोमीटर की सीमा के अन्दर स्थित हैं।

Nai-Nala Drain

*524. **Shri Ramphal Kundu :** Will the Minister of State for Irrigation be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to desilt the Nai-Nala drain of district Jind; if so, the time by which it is likely to be desilted ?

सिंचाई राज्य मन्त्री (श्री हर्ष कुमार) : जिला जींद की नई नाला ड्रेन से गाद निकालने की योजना सरकार के विचाराधीन है तथा धन की उपलब्धि पर यह कार्य जून 1998 से पूर्व पूरा कर लिया जाएगा।

Stage Carriage Permit

*557. **Shri Mani Ram :** Will the Minister for Transport be pleased to state whether it is a fact that the vehicles run under stage carriage permit allowed to cover more kilometers than its prescribe limit without making an increase in the taxes thereon; if so, the reasons therefor ?

परिवहन मन्त्री (श्री कृष्ण पाल गुर्जर) : जी हां, । मंजिली गाड़ी के परमिट के अन्तर्गत चलने वाली बेरोजगार युवकों की सहकारी परिवहन समितियों से यात्री कर वसूल किया जाता है जो कि एक मुश्त आधार पर निर्धारित है और सड़क कर पंजाब मोटर वाहन कराधान अधिनियम, 1924 तथा उसके अधीन बनाये गये नियमों के अन्तर्गत वसूल किया जाता है।

Setting up of Transformers

*504. **Shri Kailash Chander Sharma** : Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up separate transformers for supplying electricity to domestic and agriculture sectors in the Villages of State ?

मुख्य मन्त्री (श्री बंसी लाल) : नहीं, श्रीमान जी ।

Imposition of Penalty on Farmers

*508. **Shri Ram Pal Majra** : Will the Minister for Cooperation be pleased to state the total amount of penalty, if any, imposed by the Cooperative Sugar Mills on the farmers for not supplying sugarcane to the mills in accordance with the agreement of bond during the year 1992 to 1996 together with the Millwise detail thereof.

सहकारिता मन्त्री (श्री नरबीर सिंह) : वर्ष 1992 से 1996 तक सहकारी चीनी मिलों ने किसानों पर मिलों को बन्धित किए गए गन्ने की सप्लाई न करने की स्थिति में 206.98 लाख रुपये की पेनल्टी लगाई थी । मिलवार विवरण इस प्रकार है :—

क्र0सं0	मिल का नाम	लगाई गई पेनल्टी की राशि (रु0 लाखों में)				
	पिडाई सत्र	1992–93	1993–94	1994–95	1995–96	कुल
1.	पानीपत	2.90	3.95	2.41	2.21	11.47
2.	रोहतक	—	26.66	—	—	26.66
3.	करनाल	—	12.63	10.08	6.04	28.75
4.	सोनीपत	7.82	11.51	13.99	2.82	36.14
5.	शाहबाद	—	5.80	—	—	5.80
6.	जीन्द	4.96	1.49	11.33	—	17.78
7.	पलवल	15.67	16.61	12.82	11.81	56.91
8.	महम	—	—	11.25	—	11.25
9.	कैथल	—	—	—	12.21	12.21
10.	भूना	—	—	—	0.01	0.01
	कुल योग	31.35	78.65	61.88	35.10	206.98

स्वास्थ्य विभाग द्वारा कीटनाशी/दवाईयों आदि की खरीद की जांच संबंधी मामला उठाना

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है । कल डाक्टर कमला वर्मा और मुख्य मन्त्री चौधरी बंसी लाल जी ने सदन को गुमराह किया । इन्होंने यह बात कह कर सदन को गुमराह किया कि 18 करोड़ रुपए की जो दवाईयां खरीद कर मेवात में स्प्रे करनी थी, वह दवाईयां केन्द्रीय सरकार ने भेजनी थी किन्तु वह केन्द्रीय सरकार ने भेजी नहीं। लेकिन अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में यह उल्लेख है कि मलेरिया और डेंगू बुखार के प्रकोप को रोकने के लिये कीटनाशक दवाईयां खरीदने हेतु चालू वित्त वर्ष में इस कार्य के लिये उपबन्धित राशि के अतिरिक्त 18 करोड़ रुपये का उपबन्ध किया गया। यह बात राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के पेज 19 पर पैरा दो में उल्लेख की हुई है । अध्यक्ष महोदय, मुख्य मन्त्री जी की बड़ी पुरानी आदत है ये हर दफा सदन को गुमराह करते हैं । आखिर इस सदन के माध्यम से हरियाणा प्रदेश के लोग सरकार की हर कार्यवाही की जानकारी हासिल करना चाहते हैं। मुख्य मन्त्री जी के सामने खम्भे पर लिखा हुआ है है कि इस सदन में असत्य न बोला जाए। (शोर)

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, हमने कहा था कि भारत सरकार से पैसा नहीं आया है । हमने दवाईयां अपने पैसे से खरीदी हैं । पहले वहां पर 14 करोड़ रुपए की दवाई छिड़क दी गई है और चार करोड़ रुपये की दवाई अगले साल के लिये एडवांस में रखनी पड़ती है । हमारी सरकार से पहले जो सरकार थी, उसने मेवात में महामारी को रोकने के लिये कोई प्रिवैंटिव मय्यर नहीं लिए। पिछले साल मेवात में महामारी आई थी । इस साल हमने वहां पर अपने रिसोर्सिज से दवाईयां खरीद कर छिड़क दी हैं इसलिये इस बार मेवात महामारी से बच गया । हमने यह नहीं कहा कि हमने वहां पर दवाईयों का छिड़काव ही नहीं किया है ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में यह बात दर्ज है । कल बजट में यह बात आ चुकी है कि ये दवाईयां इसके अतिरिक्त हैं और मैंने कल भी कहा था कि इस सदन की एक समिति मुकर्रर की जाए जो यह पता करे कि दवाईयां कहां से खरीदी गई उसकी कोटेशन मंगवाई गई या नहीं, वहां पर स्प्रे हुआ या नहीं। अध्यक्ष महोदय 18 करोड़ रुपए यह चले गए और 18 करोड़ रुपये का यह प्रावधान है । महामारी

के कारण पहले भी मेवात के काफी लोग मौत के मुंह में चले गए । यह सरकार इस तरह से हरियाणा की जनता को और हमें गुमराह कर रही है ।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, इनको गलत बात कहने की आदत है और ये इस तरह की बात कहते रहेंगे । हम कहते हैं कि हमने वहां पर तीन छिड़काव करवाए हैं और शायद चार छिड़काव भी हो गए हों । इस बारे में हमारे हैल्थ मिनिस्टर साहब बता देंगे ।

राजस्व मन्त्री (श्री सूरज पाल सिंह) : स्पीकर साहब, मैं आपको इस बारे में बता देता हूं । वहां पर तीन स्प्रे हो चुके हैं। वहां पर पहला स्प्रे फ़ोग में हुआ, फिर उसके दो महीने बाद हुआ और तीसरा अभी कुछ दिन पहले हुआ है । इससे पहले वहां पर इस तरह के स्प्रे कभी नहीं हुए।

स्वास्थ्य मन्त्री (श्री ओम प्रकाश महाजन) : सदन के विपक्ष के नेता ने एक बड़ी गलत बात कही है । मैं चाहता हूं कि इस बात की इन्क्वायरी बैठायी जाये कि मैं वहां पर एक-एक गांव में गया या नहीं गया। मैं वहां पर खुद दोपहर को तपती गर्मी में घूमा हूं। मेरे साथ वहां के एक पूर्व विधायक अजमत खां भी थे । उस वक्त हमको माथे से पसीना निकल कर पैरों तक जा रहा था हमने हर गांव में छिड़काव करवाया है, कोई गांव छोड़ा नहीं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, अभी स्वास्थ्य मन्त्री ने माना है कि इस बात की इन्क्वायरी करवाई जाये कि क्या वहां पर दवाई डालने के लिये खरीदी गई है या नहीं। (विघ्न एवं शोर) यह इन्होंने माना है । (शोर एवं विघ्न)

श्री ओम प्रकाश महाजन : मैंने यह कहा है कि हर गांव में छिड़काव हुआ है या नहीं इसकी बेशक जांच करवा लें। यदि वहां पर किसी गांव में छिड़काव न होने की कोई शिकायत मिल जायेगी तो मैं अस्तीफा दे दूंगा। (शोर एवं विघ्न) स्पीकर साहब, मैंने इन्क्वायरी की बात नहीं कही है । मैंने यह कहा कि इस बात का पता करवा लें कि क्या एक-एक गांव में छिड़काव हुआ है या नहीं। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब इन्होंने इन्क्वायरी करवाने की बात कही है । बेशक आप सदन की कार्यवाही निकलवा कर देख लें । इन्होंने कहा है कि इसकी जांच की जाये । यह तो रिकार्ड में दर्ज है । (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : मेरी सभी माननीय सदस्यों से प्रार्थना है कि आप आराम से अपनी बात कहें । मनीराम जी आप बताएं कि आप गुड़गांव कब गए थे । (शोर)

श्री मनीराम : अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के डबवाली में पिछले खराब मौसम और बीमारी के कारण वहां पर 17 मौतें हो गई थी। (शोर एवं विघ्न)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मुझे स्वास्थ्य कमिश्नर ने लिख कर दिया है कि यह दवाई हाई पावर परचेज कमेटी ने खरीदी है और यह दवाई हैफेड, एग्रो इण्डस्ट्रीज कार्पोरेशन और गवर्नमैंट आफ इण्डिया की एक फर्म हिन्दुस्तान फर्मास्टियूकल्ज लिमिटेड से खरीदी हैं। स्पीकर साहब, वहां पर 3 सैम्पल नहीं बल्कि 4 हुए हैं। यदि ये इन्क्वायरी करवाना चाहते हैं तो हाउस की जो एस्टिमेट कमेटी और पी० ए० सी० बनी हुई है, उनसे करवा लें क्योंकि उनमें सभी पार्टियों के मैम्बर होते हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, स्वास्थ्य मन्त्री ने कहा कि इसकी इन्क्वायरी करवाई जाये। यह असैम्बली की प्रोसिडिंग्ज में है। हम भी इनकी बात से सहमत हैं। (शोर)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, हम अपने आप इन्क्वायरी करवा लेंगे इनकी कोई जरूरत नहीं है।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, लीडर आफ दी अपोजीशन ने इल्जाम लगाया है कि दवाई खरीदने के मामले में कोई गड़बड़ हुई है। इसकी जांच की बात है। स्वास्थ्य मन्त्री ने माना है कि इसकी जांच करवा देंगे। लीडर आफ दी अपोजीशन की भी यही मांग है कि इसकी इन्क्वायरी होनी चाहिये। मैं चाहता हूं कि हाउस की एक कमेटी बना दी जाये जो इस केस की जांच कर लेगी ताकि दूध का दूध और पानी का पानी साफ हो जाये।

श्री बंसी लाल : हाउस की कमेटी पहले ही बनी हुई है उनसे जांच करवा लें। (शोर)

शिक्षा मन्त्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने इस बात को सहज रूप में स्वीकार कर लिया है और चौटाला साहब और भजन लाल जी भी चाहते हैं कि इसकी जांच हो। सदन के नेता ने माना है कि हाउस की जो पी० ए० सी० और ऐस्टिमेट कमेटीज बनी हैं उनसे इसकी इन्क्वायरी करवा लें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इस सदन में एक परम्परा रही है कि कोई भी मुख्य मन्त्री या मन्त्री अगर सदन में इन्क्वायरी फेस करने के लिये तैयार होता है तो इन्क्वायरी कमीशन एक्ट के तहत इन्क्वायरी कमीशन मुकर्रर होता है। संयुक्त पंजाब के समय में सदन में सरदार प्रताप सिंह कैरों के खिलाफ इन्क्वायरी कमीशन मुकर्रर हुआ था। इस मामले में भी इन्क्वायरी कमीशन एक्ट के तहत इन्क्वायरी होगी, यह गैर कानूनी बात सदन में नहीं चलेगी। (विघ्न एवं शोर)

गृह मन्त्री (श्री मनी राम गोदारा) : अध्यक्ष महोदय, चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने इन्क्वायरी कमीशन की बात हाउस में कही है। हम तो इन्क्वायरी

कमीशन की बात पहली दफा ही सुन रहे हैं । हाउस के अन्दर ऐसे मामले पहले भी आते रहे हैं । पब्लिक एकाउंट्स कमेटी है ऐस्टिमेट्स कमेटी है उनसे इस बारे में इन्क्वायरी न करवाई जाए और न ही कोई डिपार्टमैंटल इन्क्वायरी हो, ऐसी बात तो हम पहली बार ही सुन रहे हैं । आमतौर से अगर कोई कहता है कि इन्क्वायरी करवा ली जाए तो ऐसी बात उठती है । लेकिन सबसे पहली बात तो यह है कि यह इन्क्वायरी का मुद्दा ही नहीं है, मन्त्री जी ने जो कहा है उसका मतलब यह हो सकता है कि इन्क्वायरी करवा ली जाए । अगर कोई गलती है तो इन्क्वायरी करो ऐसी इन्क्वायरी का यह मतलब नहीं है कि हाउस इन्क्वायरी नहीं कर सकता है । (विघ्न)

कृषि मन्त्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : अध्यक्ष महोदय, बड़ी हैरानी की बात है कि चौधरी ओम प्रकाश चौटाला तथा भजन लाल जी अपनी सरकारों के वक्त में भोली भाली जनता को लूटते रहे । जिनके राज में बड़े बड़े घोटाले हुए वे लोग ही आज हमारी सरकार पर इल्जाम लगा रहे हैं । (विघ्न) इनकी सुनने की आदत भी होनी चाहिए । (विघ्न एवं शोर)

(इस समय कई माननीय सदस्य अपनी सीटों पर खड़े हो कर बोलने लगे ।)

श्री अध्यक्ष : आप सभी लोग अपनी-अपनी सीटों पर बैठें । (विघ्न एवं शोर) चेयर की परमिशन के बिना जो भी बोला जाए, वह रिकार्ड न किया जाए ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं प्वायंट आफ आर्डर पर खड़ा हुआ हूं । (शोर एवं व्यवधान) मेरा व्यवस्था का प्रश्न है । (विघ्न एवं शोर) अगर इस प्रकार की बात होगी और हमें अपनी बात कहने का मौका नहीं दिया जाएगा तो हम हाउस को नहीं चलने देंगे । (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : आप सभी लोग अपनी अपनी सीटों पर बैठें । (शोर एवं व्यवधान)

आवाजें : स्पीकर साहब जीरो आवर में हम कुछ कहना चाहते हैं ।

नियम 30 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker : Now, the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under Rule 30.

Minister of State for Public Relations (Shri Attar Singh Saini) : Sir, I beg to move—

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government business be transacted on Thursday the 22nd January, 1998.

Mr. Speaker : Motion moved—

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government business be transacted on Thursday, the 22nd January, 1998.

Mr. Speaker : Question is—

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government business be transacted on Thursday, the 22nd January, 1998.

The motion was carried

वाक-आउट

(इस समय हरियाणा लोक दल (राष्ट्रीय) पार्टी के सदस्य सदन में नारे लगाने लगे)

Mr. Speaker : Mr. Chautala, I warn you. (Noise)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : जिस सदन में तानाशाही होती है, हमारी बात नहीं सुनी जाती है, ऐसे सदन में हम नहीं बैठेंगे । इसलिये हम सदन से वाक-आउट करते हैं ।

(इस समय सदन में उपस्थित हरियाणा लोक दल (राष्ट्रीय) के सभी सदस्य सदन से वाक-आउट कर गए)

बैठक का स्थगन

(इस समय विपक्ष के अन्य सदस्य नारे लगाते रहे)

Mr. Speaker : The House is adjourned for 10 minutes.

(The Sabha then adjourned and re-assembled at 10-55 a. m.)

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण अब गवर्नर ऐड्रैस पर डिस्कशन रिऊम होगी । अब भजन लाल जी बोलेंगे ।

श्री भजन लाल (आदमपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं गवर्नर ऐड्रैस पर बोलने से पहले आपसे एक निवेदन किसानों की समस्याओं के बारे में करना चाहूंगा।

श्री अध्यक्ष : आप केवल गवर्नर ऐड्रैस पर डिसकशन शुरू करें।

श्री भजन लाल : वह तो मैं करूंगा ही लेकिन एक बात और मैं आपके सामने किसानों की समस्याओं के बारे में करना चाहूंगा । (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में, जिसको सरकार ने बनाकर दिया है, उसकी यहां पर चर्चा की। महामहिम राज्यपाल महोदय की मजबूरी हो सकती है क्योंकि कि उनका काम ही ऐसा है कि जो सरकार ने लिखकर दिया है उसको उन्हें सदन में आकर पढ़ना पड़ता है । ऐसी ही प्रथा है और ऐसा ही नियम है लेकिन सरकार ने जो लिखकर दिया है उसको तो सरकार को ठीक तरह से देखना चाहिए था । सरकार ने गवर्नर साहब को स्टेट की जरा सी भी असलियत नहीं बताई । अगर ये स्टेट की असलियत उनके अभिभाषण में लिखकर देते तो कोई अचम्भे की बात नहीं होती। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार को बने हुए करीब डेढ़ साल हो गया है और इस डेढ़ साल में आज जो प्रदेश के हालात हैं वह काबिलेरहमो हैं । इतनी बुरी हालत आज स्टेट की हो गयी है जिसका कोई हिसाब नहीं है । अध्यक्ष महोदय, सरकार का सबसे पहला काम प्रदेश की जनता को सुरक्षा प्रदान करना, अमन और शान्ति कायम रखना, हर बहन और बेटी की इज्जत महफूज रखना, किसी प्रकार की कोई गुंडागर्दी नहीं होने देना और कोई ज्यादती या जुल्म अन्याय नहीं होने देना है । सरकार के ये पहले काम होने चाहिएं । अध्यक्ष महोदय, जिस दिन से यह सरकार बनी है (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, इनको आप कहिए कि ये लोग मुझे बीच में न टोकें । आप इनको रोकिए क्योंकि हमने अभी तक कोई भी ऐसी बात नहीं कही है । जब हम कोई ऐसी बात कहेंगे तब ये बोल सकते हैं। इनको यह सोचना चाहिए कि ये लोग अभी इस हाउस के हिसाब से पैदा ही हुए हैं फिर भी ये लोग भजन लाल को टोकते हैं जो लगातार 1968 से लेकर 1998 तक यानी तीस साल से मैम्बर बनकर आ रहा है । अगर कोई लगातार इतने समय तक मैम्बर रहा है तो उसका नाम भजन लाल है ।

कृषि मन्त्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । सर, चौधरी भजन लाल जी ने बिल्कुल ठीक ही कहा है कि यहां पर कई नये सदस्य चुनकर आए हैं और वे एक ऐसे नेता को बोलने से रोकते

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

हैं जिसने प्रजातन्त्र की धज्जियां उड़ायीं, विधायकों को खरीदने का काम किया एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के सांसदों को खरीदने का काम किया जबकि यह काम प्रजातन्त्र में अपने आप में एक कलंक है । लेकिन फिर भी अगर ये अपने आप पर गर्व महसूस करें तो कोई क्या कह सकता है ? अध्यक्ष महोदय, भजन लाल तो इस प्रजातन्त्र के नाम पर एक कलंक है ।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मुझे गुस्ताखी की माफी देंगे । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : मेरी सभी माननीय सदस्यों से प्रार्थना है कि बैठे बैठे न बोलें । जिस आदमी ने बोलना है पहले चेयर की परमिशन ले और फिर बोलें ।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मुझे आप माफ करना । मैं यह समझता हूं कि आपका रवैया सत्तापक्ष की तरफ कुछ ज्यादा नर्म है और हमारी तरफ 11.00 बजे सख्त है । मैं आप पर ऐलीगेशन नहीं लगाता लेकिन क्या यह कोई प्वायंट आफ आर्डर की बात थी । मैं आखिरकार सी० एल० पी० का लीडर हूं और कर्ण सिंह दलाल मुझे बोलना शुरू करते ही बीच में टोकने की कोशिश कर रहे हैं ।

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, यह तो आपका अपना नजरिया है मेरे लिये तो हाउस में बैठे हुए सभी माननीय सदस्य बराबर हैं। आप अपने विचार दूसरों पर न लादकर सिर्फ अपने विचार कहिए ।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं अपने ही विचार रखूंगा । लेकिन जैसा आपने कहा है उसी तरह से आप हाउस को चलाइए । अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे अर्ज कर रहा था कि आज प्रदेश में ला एंड आर्डर नाम की कोई चीज नहीं है । प्रदेश की हालत बहुत खराब हो गई है । दिन दहाड़े डकैतियां हो रही हैं । मैं बीसों नाम गिना सकता हूं जहां ऐसे हादसे हुए हैं । गोली मारकर 7 लाख रुपये छीनकर ले गए । जहां दिन दिहाड़े गोलियां चलें बहिन बेटियों की इज्जत सेफ न हो, उस प्रदेश की सरकार को कोई सरकार नहीं कहेगा । (विघ्न)

वैयक्तिक स्पष्टीकरण

कृषि मन्त्री द्वारा

श्री कर्ण सिंह दलाल : आन ए प्वायंट आफ पर्सनल ऐक्सप्लेनेशन सर। सारा हरियाणा प्रदेश जानता है कि चौधरी भजन लाल जी * * * कितने अच्छे ढंग से बोलते हैं।

श्री अध्यक्ष : यह झूठ शब्द रिकार्ड न किया जाए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, जिस तरीके से ये असत्य बोलते हैं, उतने अच्छे तरीके से तो कोई इंसान सत्य भी नहीं बोल सकता। अध्यक्ष महोदय इन्होंने राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलते वक्त प्रदेश में कानून-व्यवस्था के बारे में बात शुरु कर दी। अध्यक्ष महोदय, आप भी इस सम्मानित सदन के सदस्य रहे हैं आप इनसे पूछिए कि इनके अपने राज्य में बहन सुशीला, रेणुका और द्रोपदी काण्ड क्यों हुए और इनके अपने राज्य में किसानों के ऊपर कितनी गोलियां चलाई गई ?

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैंने कोई ऐसी बात नहीं की कि जिससे ये मुझे बीच में टोकें। बीच में टोकने से जैसे गाड़ी का मोशन टूट जाता है और फिर दोबारा गाड़ी मोशन में लानी पड़ती है वैसे ही दोबारा से मुझे अपनी बात पर आना पड़ता है। अध्यक्ष महोदय, ला एंड आर्डर नाम की चीज इस प्रदेश में नहीं है। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने चुनाव के दौरान लोगों से बड़े बड़े वायदे किये थे उनमें से एक भी वायदा पूरा नहीं हुआ है। ये कहते थे कि 24 घंटे बिजली देंगे, 48 घंटे में ट्यूबवैल्ज के कनैक्शन देंगे, प्रदेश में एक मिनट भी बिजली बन्द नहीं होगी। कागजों में चाहे सब कुछ पूरा दिखा दिया होगा लेकिन प्रदेश के किसान यहां बैठे हुए हैं, प्रदेश की जनता यहां सुन रही है तथा अखबारों के जरिये भी जनता को मालूम होगा। अध्यक्ष महोदय, आज किसानों को चार घंटे के लिये भी बिजली नहीं मिल रही है। (विघ्न)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

आवास राज्य मन्त्री (श्री सत नारायण लाठर) : अध्यक्ष महोदय, यह प्रदेश का दुर्भाग्य है कि ऐसा आदमी जो 12 साल तक प्रदेश का मुख्यमन्त्री रहा हो और वह असत्य बोले। इनके कार्यकाल में बिजली के क्षेत्र में क्या किया गया, क्या कोई कारखाना लगाया गया या कोई एक यूनिट बिजली पैदा की हो, इन्होंने बिजली की बढ़ौतरी के लिये कुछ नहीं किया ? जब अखबारों के जरिये इनका नाम नरसिंह राव जी से जुड़ गया तो इनको आज कांग्रेस की टिकट भी नहीं मिल रही है इसलिये ये बौखला रहे हैं। यह वर्तमान सरकार पर लांछन लगाते हैं। चौधरी भजन लाल जैसा आदमी अगर कानून व व्यवस्था की बात करे तो यह बड़े शर्म की बात है।

श्री भजन लाल : लाठर जी आपका अभी प्रोमोशन होने वाला नहीं है। दो महीने बाद मालूम हो जायेगा। अपने जी को टिकाइये, बता देंगे। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी आप अपनी पार्टी के सदस्यों को तो बैठाइये क्या इनका प्रमोशन हो रहा है।

मुख्य मन्त्री (श्री बंसी लाल) : चौधरी भजन लाल जी कह रहे हैं कि दो महीने का सारा मामला है। इन्होंने हमारे को दो महीने से ज्यादा समय दिया ही कब है। ये एक बात कहा करते थे कि मुझे अकेले को एम0एल0ए0 बना दो मुख्य मन्त्री तो मैं खुद बन जाऊंगा। अब ये 12 एम0एल0एज0 हैं अब बनकर दिखा दें।

श्री भजन लाल : हमने पहले ही सैशन में कहा था कि एक साल तक आपकी सरकार की तरफ आंख उठाकर भी नहीं देखेंगे आप लोगों के वायदे पूरे करो। यह रिकार्ड की बात है। आप रिकार्ड निकलवा कर देख लें।

श्री बंसी लाल : दिखा तो देंगे कौन देखता है पता चल जायेगा।

श्री भजन लाल : ढील रखो।

श्री राज कुमार सैनी : यह असत्य कह रहे हैं ऐसी कोई बात नहीं है यह कह रहे हैं कि एक साल (विघ्न)

श्री बंसी लाल : यह भी साफ कर दें कि दो महीने बाद मुख्यमन्त्री कौन होगा, चौधरी भजनलाल जी या श्री ओमप्रकाश चौटाला जी। यह भी बता दें। (विघ्न)

श्री भजन लाल : सैनी जी क्यों मेरे से पोल खुलवा रहे हो। ये ईमानदारी की बात करते हैं। मेरे पास दिल्ली के एक होटल में आये और कहा कि चौधरी बंसी लाल की सरकार को तोड़ो तो मैं आपके साथ हो जाऊंगा।

ये क्या मेरे सामने बोलता है । (विघ्न) मुझे और बातें बोलनी पड़ जाएंगी । अगर ज्यादा बोलेंगे तो बता भी दूंगा । (शोर) क्या यह बात सच है कि नहीं कि ये मुझे दिल्ली में मिले थे । (शोर)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, यह अपने आप को बहुत पापुलर लीडर मानते हैं और कहते हैं कि मैं 30 साल से यहां पर बैठा हुआ हूं । ये यह भी कहते हैं कि मैं 12 साल इस प्रदेश का मुख्यमन्त्री रह चुका हूं । अगर यह 12 साल इस प्रदेश के मुख्यमन्त्री रहे हैं तो फिर अपनी होम कांस्टीच्यूएंसी से लोकसभा चुनाव लड़ने की हिम्मत इन में क्यों नहीं होती है? ये हिम्मत करके तो दिखाएं । (शोर)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैंने इन को चैलेंज किया है तथा अखबारों में भी ब्यान दिया है कि चौधरी बंसी लाल जी भिवानी से चुनाव लड़ें । मैं आपके और चौधरी देवी लाल जी के जोड़ का पहलवान हूं । मैं इनके बच्चे सुरेन्द्र के जोड़ का पहलवान नहीं हूं । (हंसी)

श्री बंसी लाल : तो फिर आप अपने बच्चे को उसके मुकाबले में ले आएं । (शोर) लेकिन आप में हिम्मत कहां है? आप पहले फरीदाबाद से एम0 पी0 रहे हैं । वहां की जनता को तो आपने धोखा दे दिया है । अब करनाल की जनता को भी धोखा देने की फिराक में हैं ।

श्री भजन लाल : बंसी लाल जी, आप तो ऐसे बोलते हैं जैसे कि आप मैंटली रिटार्डिड हो गए हैं । (हंसी)

श्री बंसी लाल : मैं तो मैंटली रिटार्डिड नहीं हो गया हूं लेकिन यह भाई जरूर हो गया है । (हंसी) अगर ये खुद भिवानी से चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं तो मेरे छोरे के मुकाबले में अपना छोरा ले आएं । लेकिन इनको तो वो बात है कि कोई एक हजार कहे तो ये कहें कि 10 हजार और 10 हजार कहें तो ये कहें कि एक लाख । (हंसी)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, इनके लड़के के मुकाबले में मेरा लड़का लड़ेगा (शोर) बता देंगे, बता देंगे समय आने दो । (शोर) अध्यक्ष महोदय, मैं तो यह कहता हूं कि मेरा इन को चैलेंज है कि मैं भी विधान सभा से इस्तीफा दे देता हूं और ये भी विधान सभा से इस्तीफा दे दें और भले ही ये मुख्य मन्त्री बने रहें और हम दोनों पार्लियामैंट के चुनाव लड़ेंगे मैं यह चैलेंज करता हूं अगर ये चुनाव जीत जाएं तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा अन्यथा ये संन्यास ले लें । (शोर) अगर मर्द का बच्चा है तो मैदान में आ जा । (शोर) ये कहते हैं कि मेरा लड़का इनके लड़के के मुकाबले में चुनाव लड़े ।

[श्री भजन लाल]

मैं बताना चाहता हूं कि हमारी कोशिश यह होगी कि मेरा दूसरा लड़का वहां से चुनाव लड़े और फिर इनको बता देंगे कि इनकी क्या हैसियत है ?

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय मैं प्वायंट आफ आर्डर पर बोलना चाहता हूं । चौधरी भजन लाल जी की छवि इस प्रदेश के अन्दर इतनी खराब है कि लोग इनकी बातों पर विश्वास नहीं करते हैं । इनकी तो यह आदत बन गई है कि पहले एक बात को कह जाते हैं और फिर पीछे हट जाते हैं। ये तो शुरू से ही कह रहे हैं कि मैं हरियाणा की राजनीति में 30 साल से हूं। (शोर) अब ये कुछ भी सुनना नहीं चाहते हैं।

श्री अध्यक्ष : आप अपनी बात एक मिनट में ही खत्म करें ।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात जल्दी ही खत्म कर लेता हूं। मैं कह रहा था कि इनकी साख प्रदेश के अन्दर बिल्कुल खत्म हो चुकी है । पिछले विधान सभा चुनावों के दौरान इन्होंने खुद कहा था कि अगर हविपा-भाजपा गठबंधन विधान सभा की दस से ज्यादा सीटें भी ले जाएं तो ये नाक कटवा लेंगे । लेकिन आज हविपा-भाजपा गठबंधन की सरकार बनी हुई है और इनकी नाक वहीं की वहीं है । ये अपनी बात शायद भूल गए हैं । उसके बाद इन्होंने कहा था कि ये खुदकशी कर लेंगे । अब हरियाणा की जनता इनकी बातों पर यकीन नहीं करती है । इनको ऐसी बातें बोलते हुए शोभा नहीं देता है । इनको सदन में सत्य व उचित बात ही कहनी चाहिए । (शोर)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं सदन के किसी भी मैम्बर को बुरा नहीं कहता हूं सारे अच्छे हैं लेकिन दाई से पेट छुपाने की बात न करें तो अच्छा है क्योंकि वह बात मेरी समझ में कम आती है और कोई बात नहीं। कुछ बातें ऐसी हैं जो बताने की नहीं हैं मैंने भी इनकी कुछ ऐसी बातें न बताने की कसम खा रखी है और कुछ बातों की इन्होंने मुझे कसम खिला रखी है । अब मैं क्या बताऊं (शोर)

श्री रमेश कुमार : अध्यक्ष महोदय, जो नए मैम्बरान आए हैं उनको भी बोलना है । भजन लाल जी अपनी बात रखना चाहते हैं इसलिये रूलिंग पार्टी के साथी जो बार-बार खड़े होकर टोका-टाकी करेंगे तो जो जनता के लोग यहां पर बैठे हैं उन पर उसका क्या असर पड़ेगा तथा जो नए मैम्बरान हैं उनको बोलने के लिये समय नहीं मिलेगा । (विघ्न)

श्री राज कुमार सैनी : किसानों की बात भजन लाल नहीं कह सकते और कोई तो कह भी सकता है ।

श्री भजन लाल : जिस आदमी में थोड़ी बहुत कमी हो उसको नहीं बोलना चाहिए, आप ऐसी बात क्यों करते हैं फिर मुझे तफसील से सारी बात बतानी पड़ जाएगी। बंसी लाल बहुत सख्त आदमी है वे इस्तीफा दे देंगे यदि मैं सारी बातें बता दूंगा इसलिए रहने दो।

गृह मन्त्री (श्री मनी राम गोदारा) : अगर हर कोई सदस्य भजन लाल जी को हर बात बताना शुरू कर दे तो क्या उसका जवाब चौधरी भजन लाल दे देंगे इसलिये छोड़ो इन बातों को।

श्री भजन लाल : मैं तो खुद कहता हूं कि इन बातों को छोड़ दो। गोदारा साहब, मैं आपके बारे में कोई बात नहीं कहता। आपने तो अपना इस्तीफा ही भेजा था मैं तो आपके बारे में कुछ कहता ही नहीं अब आप बीच में बोलते हैं तब कहता हूं।

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल आप यह कंट्रोवर्सी अवायड करें।

श्री मनी राम गोदारा : चौधरी भजन लाल जी अगर मैं आपके बारे में बताने लग गया तो पता नहीं क्या बता दूंगा।

श्री भजन लाल : आप मेरे बारे में जो बात बताना चाहें वह बता दें उसका जवाब मैं दे दूंगा। भजन लाल से किसी की कोई बात छिपी हुई नहीं है। हम यहीं के रहने वाले हैं। एक ही जगह के रहने वाले हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं अर्ज कर रहा था इन्होंने चुनावों की बात कह दी। मैं इनको फिर चैलेंज करता हूं ये मेरे मुकाबले में आ जाएं इनको भी पता लग जाएगा। 16 फरवरी को वोट पड़ेंगे। 2 या 3 मार्च को गिनती हो जाएगी इसलिये कहता हूं कि इन चुनावों में एक भी सीट हरियाणा विकास पार्टी और बी० जे० पी० की आने वाली नहीं है। यह बात मैं चैलेंज के साथ कहता हूं। फिर आपको इस्तीफा दे कर जाना पड़ेगा। जब आपकी एक भी सीट नहीं आएगी तो क्या आप मुख्य मन्त्री रहेंगे ? (शोर)

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर साहब, चौधरी भजन लाल जी कह रहे हैं कि हमारी एक भी सीट नहीं आएगी। आप इनसे पूछें कि अगर हमारी सारी सीट आ गई तो ये क्या सजा पाने के लिये तैयार हैं।

श्री भजन लाल : दलाल साहब, आपसे इन्होंने पार्लियामैंट्री अफेयर्ज का महकमा ही वापिस ले लिया आप क्या बोलते हैं। अध्यक्ष महोदय, ट्रेजरी बैंचिज वाले मुझे बार बार बीच में टोकते हैं। ये कभी कुछ कह देते हैं कभी कुछ कह देते हैं यह इनको शोभा नहीं देता। यदि मैं कोई आपत्तिजनक बात कहूं तो आप उसका जवाब दें लेकिन आपको मुझे बीच में नहीं टोकना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मैं

[श्री भजन लाल]

बिजली के बारे में कह रहा था। इन्होंने बिजली बहुत ज्यादा महंगी कर दी इन्होंने बिजली के इतने रेट बढ़ा दिये जिसका कोई अन्त नहीं है। ये कहते हैं बिजली का रेट भजन लाल ने बढ़ा दिया ऐसा करके उन्होंने किसानों के साथ बड़ा अन्याय किया था बड़ा जुल्म किया था। अध्यक्ष महोदय, अब मैं इनसे पूछता हूं कि आपने बिजली के कितने रेट बढ़ाए हैं। आपने बिजली के डेढ़ गुणा रेट बढ़ा कर किसानों के साथ अन्याय किया है। बिजली के डेढ़ गुणा रेट होने से किसानों का बुरा हाल है, उद्योग लगाने वालों का बुरा हाल है, गरीब आदमी का बुरा हाल है और आम आदमी का बुरा हाल है, । (शोर)

श्री राज कुमार सैनी : स्पीकर साहब ये अपने समय की बात करें। इनके समय में बिजली का बहुत बुरा हाल था। (शोर)

श्री जसविन्दर सिंह संधु : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। (शोर)

श्री अध्यक्ष : आप बैठ जाएं। (शोर)

डा0 बीरेन्द्र पाल अहलावत : स्पीकर साहब, माननीय सदस्य का प्वायंट आफ आर्डर है आप इनको बोलने का समय दें। ट्रेजरी बैंचिज के लोग आपकी इजाजत के बगैर पता नहीं क्या-क्या कह देते हैं आप उनको कुछ नहीं कहते हैं। हमारे सदस्य ने प्वायंट आफ आर्डर के जरिए कोई बात कहनी है तो आप उनको टाईम नहीं दे रहे हैं। (शोर)

श्री अध्यक्ष : यह मैं आपको बता देता हूं कि मैंने राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर पेश हुए धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने के लिए आपको कितना टाईम दिया है। अपोजिशन के लीडर 115 मिनट बोले, रफे सिंह राठी 16 मिनट बोले और श्री राम पाल माजरा 36 मिनट बोले। आप अपने लीडर से पूछ लेना कि क्या उन्होंने अपने समय में किसी अपोजीशन लीडर को बोलने का इतना समय दिया था जितना मैंने उनको दिया है। यह रिकार्ड की बात है। (शोर)

डा0 बीरेन्द्र पाल अहलावत : अध्यक्ष महोदय वह तो 115 मिनट में से 15 मिनट ही बोले होंगे बाकी सारा समय इन्होंने उनको बीच में टोक कर खराब कर दिया था। अब चौधरी भजन लाल जी पांच मिनट ही बोल पाए होंगे बाकी समय तो इन्होंने बीच में टोक-टोक कर खराब किया है। इस तरह से ये बीच बीच में टोक कर किसी अपोजिशन के मैम्बर को बोलने ही नहीं दे रहे हैं यह प्रजातान्त्रिक मूल्यों का हनन है। (शोर)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, ऐसा ही प्वायंट आफ आर्डर इधर वालों का है और ऐसा ही प्वायंट आफ आर्डर उधर वालों का है। आप सभी मैम्बरों को एक आंख से देखें।

श्री जसविन्दर सिंह संधु : आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर, अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी और चौधरी बंसी लाल जी बड़े सीनियर मैम्बर हैं। ये 7-7 वर्षों तक प्रदेश के मुख्य मंत्री रह चुके हैं। अब इलैक्शन होने जा रहा है। दोनों तरफ से चेलेंज-बाजी हो रही है। चौधरी भजन लाल जी को ट्रेजरी बैंचिज की तरफ से कुछ नहीं कहने दिया जा रहा है। यह राजकुमार सैनी यहां पर बैठा हुआ है जिसने भरी सभा में डी० सी० का मुंह काला करने की बात कही थी (शोर एवं विघ्न) ऐसे आदमी यहां पर बैठे हैं। आप इन लोगों को समझायें।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं बिजली के बारे में चर्चा कर रहा था। इस वक्त प्रदेश में बिजली की हालत बहुत खराब है। जब चौधरी बंसी लाल जी इधर बैठा करते थे तब हम किसी बाहर की कम्पनी के साथ समझौता करने जा रहे थे तो ये बड़ा शोर मचाया करते थे। लेकिन अब ये उन्हीं बाहर की कम्पनीज के पीछे-पीछे घूम रहे हैं कि आप हमारे यहां पर प्लांट लगाइये। लेकिन इनके साथ कोई कम्पनी समझौता करने के लिए तैयार नहीं। तैयार इसलिए नहीं है क्योंकि यह सरकार टिकाऊ नहीं। जब तक इनकी सरकार टिकाऊ नहीं होगी तो कोई कम्पनी इनके साथ कैसे समझौता करेगी।

श्री सतपाल सांगवान : सरकार को बने हुए 18 महीने हो गए फिर कह रहे हैं कि सरकार टिकाऊ नहीं है। क्या यह सरकार आपके सिर पर बैठ कर टिकाऊ होगी। (शोर)

चौधरी भजन लाल : आपने छः बार मन्त्रिमण्डल बढ़ा लिया है (शोर)

डा० बीरेन्द्र पाल अहलावत : स्पीकर साहब, आप ट्रेजरी बैंचिज के मैम्बर को कहिए कि ये ऐसी बातें यहां पर न कहें। (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप सभी बैठिए। आप आराम से अपनी बात कहें।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात मुझे यह कहनी है कि इस सरकार ने सत्ता में आने से पहले बड़ा भारी शराब बन्दी का वायदा किया था। आप जानते हैं कि आज प्रदेश में शराब की क्या हालत है (विघ्न एवं शोर) इनके रिश्तेदार शराब बेचते हैं इसलिए यह बीच में बोलते हैं (विघ्न एवं शोर)

(इस समय कई सदस्य अपनी सीटों पर खड़े हो कर बोलने लगे)

श्री अध्यक्ष : आप सभी लोग अपनी अपनी सीटों पर बैठें। (विघ्न एवं शोर)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं अर्ज कर रहा था कि शराब के बारे में इन्होंने बड़ा भारी वायदा किया था। (विघ्न एवं शोर) अध्यक्ष महोदय, मैं मर्यादा में रह कर बात करूंगा मैंने कोई ऐसी बात नहीं कही कि ये बीच में उठ कर बोलने लगे हैं (विघ्न) दलाल साहब का भाई शराब बेचता है (विघ्न)

वैयक्तिक स्पष्टीकरण–

कृषि मन्त्री द्वारा

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरी पर्सनल एक्सप्लेनेशन है, इन्होंने मेरे भाई का नाम लिया है (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, ये शराब बन्दी की बात कह रहे हैं इनके अपने घर की अलमारी में से शराब की बोतलें निकली थीं और जब इनसे इस बारे में पूछा गया तो इन्होंने कहा कि मेरा मुनीम शराब पीता है। क्या मुनीम इतनी कीमती शराब पीयेगा ? (विघ्न एवं शोर)

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, आप इनको रोकिए, क्या इनका यह बात करने का तरीका है (विघ्न) इतनी बड़ी बात है यह मैं इस बारे में बिल्कुल सही बात ही कहूंगा कौन और कैसे शराब बेच रहा है मैं इस झगड़े में नहीं पड़ूंगा। शराब बन्दी का नाम ले कर इन्होंने जनता से वोट प्राप्त किए। पहले जितनी शराब बिकती थी आज उससे दुगनी शराब हरियाणा प्रदेश में बिक रही है और इस शराब को बिकवाते कौन हैं (विघ्न)

एक आवाज : चौधरी ओम प्रकाश चौटाला तथा चौधरी भजन लाल शराब बिकवाते हैं।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, सरकार के मन्त्री और इनके रिश्तेदार शराब बिकवाते हैं। मैं किसी का नाम लूं तो यह अच्छा नहीं लगता है, सभी लोग अच्छी तरह से जानते हैं कि शराब कौन बिकवाता है। शराब बन्दी के कारण 700 करोड़ रुपए का प्रदेश को घाटा हो रहा है (विघ्न एवं शोर) अध्यक्ष महोदय, अगर आप कहें तो हम बोलते हैं नहीं तो बोलना बन्द कर देते हैं (विघ्न) आज पहले से दुगनी शराब बिकती है और एक-एक गांव में जहां एक ठेका होता था आज 50-50 ठेके खुले हुए हैं यानि 50-50 घरों में शराब बिकती है।

खाद्य तथा पूर्ति मन्त्री (श्री गणेशी लाल) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। हमने प्रोहिबिशन के बारे में पूरे फैक्टस दिए हुए हैं विपक्ष के सभी सम्मानित सदस्यों के के पास वे फैक्टस और फिगर्ज उपलब्ध हैं। मैं इनसे केवल इतना पूछना चाहूंगा कि जैसे इन्होंने कहा कि दुगनी शराब बिकती है, क्या आज हरियाणा में पीने वालों की संख्या बढ़ गई है। बाहर से जितनी शराब हमने पकड़ी है उसे ये कितने परसैंट मान कर चलते हैं कितने परसैंट एस्केप हुई है, यह स्पष्ट कहें केवल वेग स्टेटमैंट न दें बल्कि पूरे फैक्टस दें ताकि हमें भी जवाब देने में आसानी रहे। वैसे ही हवा में कोई बात उछालने की बात न कहें। यह इस प्रकार के आंकड़े साथ में दें कि हमने 50 प्रतिशत पकड़ी

है और 50 प्रतिशत स्लिप हो गई है इससे हम बता सकेंगे कि कितनी परसैंट शराब पकड़ी गई। मेरा नम्र निवेदन है कि अपनी बात ठीक प्रकार से कहें ताकि हम जवाब दे सकें और हमारी बात को इन्हें सुनने में आनन्द आए।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं भजन लाल जी से यह पूछना चाहता हूं कि कल ये जवाब सुनने के लिए बैठेंगे या भाग जाएंगे ?

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, अगर दिल्ली में मीटिंग नहीं हुई तो मैं जरूर बैठूंगा। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बताना चाहता हूं कि हम भागने वालों में से नहीं हैं हम तो भगाने वालों में से हैं। मिनिस्टर साहब कहते हैं कि आंकड़े दें। इस बारे में तो प्रदेश की जनता जानती है कितनी शराब प्रदेश में बिकने लग रही है। शराब को कौन बेच रहा है, मंत्री बेच रहे हैं या इनके रिश्तेदार बेच रहे हैं। यहां तक कि मंत्रियों की गाड़ियां भी पकड़ी गई हैं।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, इससे जाहिर है कि सरकार कितनी निष्पक्ष है। किसी की भी गाड़ी हो हम उसको पकड़ेंगे। अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल के आदमपुर वाले घर में शराब मिली थी उस बारे में भी ये बता दें।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, ये जो बात कह रहे हैं इसमें एक फीसदी भी सच्चाई नहीं है ये 100 फीसदी गलत बात कह रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा में बहुत ज्यादा शराब बिक रही है इस बारे में प्रदेश की जनता जानती है और इसका खामियाजा इनको आने वाले चुनावों में भुगतना पड़ेगा। एक बात इन्होंने कह दी कि इस बार अपने बेटे को जिता कर देख लेना। (विघ्न) फिर इन्होंने कहा था कि हम हरियाणा में गंगा का पानी लाकर देंगे तब भजन लाल ने हाऊस में कहा था कि बंसी लाल जी अगर आप गंगा का पानी हरियाणा में ला देंगे तो मैं आपके पैर धोकर पानी पी लूंगा।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरी सरकार के बाद भजन लाल और दूसरी सरकारें आईं और उन्होंने रोड़ा अटका दिया।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, ये तो इतनी जल्दी ही भाग लिए।

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्ष कुमार) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मैं भजन लाल जी को बताना चाहता हूं कि धरती पर गंगा लाने के लिए भगीरथ सात पीढ़ियां लग गई थीं। हमारी सरकार को आए अभी तो डेढ़ वर्ष ही हुए हैं आप थोड़ा इन्तजार करें। (विघ्न)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, एक इन्होंने कहा था कि हमारी सरकार आते ही हम आगरा कैनाल का कंट्रोल अपने हाथों में लेंगे और इन्होंने वह ले लिया, फिर एस0 वाई0 एल0 के पानी के बारे कह दिया कि एस वाई0 एल का पानी लाना चाहिए। भजन लाल तो फेल हो गया मैं आपको पानी लाकर दूंगा। ऐसा बंसी लाल जी कहते थे।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, कल तो इन्होंने यहां बैठना नहीं है। मैं इनको आज ही जवाब दे देता हूं। भजन लाल ने सुप्रीमकोर्ट में एस0 बाई0 एल0 के लिए केस डाला था। वह केस डिफैक्टिव होने के कारण सुप्रीमकोर्ट उसको रिजैक्ट करने लगी थी। हमने उस केस को वापिस लेकर ठीक किया और उस केस को फिर से दायर कर दिया।

श्री भजन लाल : कमाल हो गया। हमने एक रास्ता इसके लिए बनाया था और आपने भी माना था कि भजन लाल जो इस केस के बारे में सुप्रीमकोर्ट गए थे, वह ठीक है। आपने यह बात रिकार्ड में मानी है।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैंने यह माना है कि कदम सही था लेकिन इन्होंने जो केस दायर किया था, वह डिफैक्टिव था जिसको सुप्रीमकोर्ट ने रिजैक्ट कर दिया था लेकिन हमने दोबारा से उसको ठीक करके दायर किया है।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, इनका गुरू एक है और वह है अटल बिहारी वाजपेयी। हरियाणा में चौधरी बंसी लाल जी की सरकार का गुरु अटल बिहारी वाजपेयी और पंजाब में वहां की सरकार का गुरु भी कौन अटल बिहारी वाजपेयी। ये कहते हैं कि हम अटल बिहारी वाजपेयी को प्रधानमंत्री बनाएंगे। अगर आप उनको प्रधानमंत्री बनाओगे तो फिर आप पानी लाओ आपको रोकता कौन है। पंजाब वाले कहते हैं कि एक बूंद पानी भी उनके पास फालतू नहीं है।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक है कि हमारे प्रधान मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी होंगे लेकिन ये भी बता दें कि इनका प्रधानमंत्री कौन होगा। ये किसके लिए बात कह रहे हैं। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : भजन लाल जी, हमारे प्रधानमंत्री तो वाजपेयी जी होंगे लेकिन अगर कांग्रेस बहुमत में आयी तो आप बताएं कि आपका प्रधानमंत्री कौन होगा ?

श्री भजन लाल : बता देंगे।

श्री कर्ण सिंह दलाल : जिस पार्टी के पास कोई प्रधानमंत्री का नाम न हो और जो विदेशों से नेता लाए फिर ये किस तरह बात करते हैं।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, इनको अपने बराबर के आदमी से बात करनी चाहिए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : भजन लाल जी, पिछले दिनों हमने सुना है कि आपने भारतीय जनता पार्टी वालों के आगे बहुत हाथ जोड़े हैं कि आप मुझे अपनी पार्टी में ले लो।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैंने कोई हाथ नहीं जोड़े हैं। ये भारतीय जनता पार्टी की बात करते हैं लेकिन मैं तो उसे चिमटे से भी नहीं छुऊंगा। आप जिस पार्टी के सहारे राज कर रहे हैं वह एक कम्यूनल पार्टी है। (विघ्न)

स्थानीय शासन मंत्री (डा० कमला वर्मा) : आप तो रोम से आई हुई एक महिला को ला रहे हैं। (विघ्न)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, ये नाम लेते हैं अटल विहारी वाजपेयी का लेकिन अंदर अंदर बात करते हैं चौधरी बंसी लाल जी आडवाणी जी से कि अडवाणी प्रधानमंत्री बनने चाहिएं।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं तो अटल जी से भी और आडवाणी जी से भी बात करता हूं। आडवाणी जी ने ही वाजपेयी जी का नाम प्रधानमंत्री पद के लिए डिक्लेयर किया और हमने एंडोर्स किया। लेकिन अध्यक्ष महोदय, इनकी तो आदत है बात बनाने की और बीच में चुगली करने की लेकिन अब लोग इनको उल्टा कर देंगे। (विघ्न)

श्री भजन लाल : हम आपको भी बता देंगे टाईम आने दो। अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे शराबबन्दी के बारे में अर्ज कर रहा था। आज प्रदेश में आम आदमी इतनी बुरी तरह से दुखी हो गया है जिसका कोई जवाब नहीं है।

श्री मनीराम गोदारा : स्पीकर सर, ये हमें बता दें कि अब ये कांग्रेस में रहेंगे या नहीं रहेंगे ?

श्री भजन लाल : गोदारा साहब, हम कांग्रेस में ही पैदा हुए हैं और कांग्रेस में ही मरेंगे तथा कांग्रेस में ही रहेंगे। हम आपकी तरह से नहीं है कि 18 बार पार्टी बदलें। हमने केवल एक बार इस जालिम की मेहरबानी से पार्टी छोड़ी थी। (विघ्न)

श्री मनीराम गोदारा : अध्यक्ष महोदय, 1977 में इन्होंने कहा था**** (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप सभी लोग बैठिए।

श्री मनी राम गोदारा : अध्यक्ष महोदय, मैंने अपनी बात का जवाब इनसे मांगा था। इन्होंने यह कहा कि मैंने तो कभी कांग्रेस छोड़ी ही नहीं।

श्री भजन लाल : मैंने कहा कि एक बार छोड़ी इस ***** की मेहरबानी से।

श्री अध्यक्ष : मेरी सभी माननीय सदस्यों से प्रार्थना है कि वे सदन में पार्लियामैंट्री भाषा का प्रयोग करें और यह जो जालिम शब्द है यह रिकार्ड न किया जाए। (शोर एवं विघ्न)

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री निर्मल सिंह : अध्यक्ष महोदय, ये कांग्रेस बिल्कुल नहीं छोड़ते। ये तो कांग्रेस में रहकर ही उसका तेरहवां करेंगे। वैसे तो चौटाला साहब की व इनकी दोस्ती पुरानी है पर अब तो जगजाहिर हो गई कि इनकी कोशिश यह रहेगी कि मैं करनाल से लड़ूं व बाकी सब सीटों पर समझौता करके चौटाला का सत्यानाश करूं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। 1980 में चौधरी भजन लाल जी ने कहा था कि कांग्रेस का हाथ का पंजा खूनी पंजा है।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी ने सदन को गुमराह किया है जो इन्होंने कहा है कि कांग्रेस में जन्मे थे और कांग्रेस में ही मरेंगे। यह 1977 में कांग्रेस छोड़कर भाग गए थे। यह बात नैशनल प्रैस में रिपोर्टेड है। चौधरी भजन लाल जी कहा करते थे कि पंजे का निशान खूनी पंजा है और इंदिरा गांधी संसार की सबसे झूठी महिला हैं। (विघ्न)

श्री भजन लाल : बंसी लाल जी, आप भारतीय जनता पार्टी को सबसे सांप्रदायिक पार्टी बताया करते थे जिसके सहारे आज आप राज कर रहे हैं।

श्री बंसी लाल : मैंने कभी सांप्रदायिक नहीं कहा। मैंने किसी भी पार्टी को कभी सांप्रदायिक नहीं कहा।

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, आपको बोलते हुए करीब एक घंटा हो गया है।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, अभी तो मैं दस मिनट भी नहीं बोला हूं आप चाहें तो रिकार्ड निकलवा लें। 50 मिनट तो ये लोग बगैर मतलब के ही ले गए।

श्री अध्यक्ष : आप कंट्रोवर्सी अवाइड करिए और बोलिए।

श्री मनीराम गोदारा : मैंने आपसे एक बात पूछी थी आपने उसका जवाब भी नहीं दिया।

श्री भजन लाल : आपकी बात का तो मैं जवाब दे ही नहीं सकता। आप मुझसे उम्र में बड़े हो, रिश्तेदार आदमी हो। आपको मैं क्या जवाब दूंगा ?

श्री वीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मैं गोदारा साहब की बात का जवाब दे देता हूं। भजन लाल जी को हम इस सदन में रहने नहीं देंगे और ये पार्लियामैंट में जाएंगे। आप चिंता मत करें।

श्री भजन लाल : अब तो आप राजी हो बाकी साथी यहीं रहें, मैं जाऊंगा तो कोई फर्क नहीं पड़ता। अध्यक्ष महोदय, मैं पानी की बात कर रहा था। किसान के लिए पानी और बिजली दोनों ही जीवन रेखा हैं अध्यक्ष महोदय, मैंने किसी का बुरा नहीं किया, हरेक का भला ही करने की कोशिश की है। चौधरी बंसी लाल जी का भी 1968,72 और

1974 में जब एक एक वोट पर राज था तब मैंने सारी सारी रात रखवाली करके इनका राज चलाया था। अब ये अहसान माने या न माने यह इनकी मर्जी है। (विघ्न)

श्री बंसी लाल : पहले कह रहे थे कि मेरा साथ छोड़कर चला गया था और हरियाणा में यह भाषण देता फिरता कि दिल्ली की सरकार मैंने बचाई है, बिहार के एम0पीज0 को मैंने खरीदा है। अब चाहे यह इंकार करें (विघ्न)

श्री भजन लाल : पहले कर्ण सिंह दलाल ने भी यही बात कही कि बिहार के एम0पीज0 को मैं खरीद कर लाया था। लेकिन श्रीमान जी मैं आपको बता दूं कि जो बिहार के एम0पी0 इस केस के गवाह बने हुए हैं उन्होंने यह नहीं कहा कि अजीत सिंह को भजन लाल ने तीन करोड़ रुपया पांच सौ-पांच सौ के तीन बण्डलों में दिया, वह गवाह, वह अटैची, सूटकेस मैंने देखा तक नहीं। आप अजीत सिंह जी की बात करते हैं जो चौधरी चरण सिंह जी का बेटा है। उसको भजन लाल कैसे खरीद सकता है, वह तो बड़े परिवार का बेटा है, उस शिरोमणी परिवार को बदनाम क्यों कर रहे हो ? उस गवाह ने मना कर दिया है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे पानी के बारे में और एस0वाई0एल0 नहर के बारे में कह रहा था। इस सरकार को बने डेढ़ साल हो गये लेकिन इस डेढ़ साल के दौरान इस सरकार ने एस0वाई0एल0 नहर का नाम तक नहीं लिया है। सुप्रीम कोर्ट में जो केस दायर हमारी सरकार ने एस0वाई0एल0 नहर के मुद्दे के बारे में किया था वह भी वापस ले लिया है और अब इस मामले को गोलमाल कर रहे हैं क्योंकि ये अकालियों से मिले हुए हैं।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, अकालियों से तो ये मिले हुए थे। इनकी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में डिफैक्टिव कागज दायर किये। मैंने इस बारे में कई चिट्ठियां प्रधानमंत्री जी को लिखी हैं कि एस0वाई0एल0 नहर का निर्माण किसी सैंट्रल एजेंसी से करवाया जाये। मैंने हर स्टेज पर लड़ाई लड़ी है। श्री नगर में जब नार्दन जोन की काउंसिल हुई उसमें भी मैंने ठोक कर कहा और दिल्ली में जो भी कांफैंस हुई उसमें भी (विघ्न)

श्री भजन लाल : जब हम ये बातें कहते थे तो आपको अच्छी नहीं थी हमने भी तो कुछ किया होगा। आपने रिकार्ड तो देख ही लिया होगा। पानी कब तक लाओगे यह तो बता दें।

श्री बंसी लाल : जल्दी से जल्दी।

श्री भजन लाल : इस सरकार ने चार महीने का बजट पेश इसलिए किया है क्योंकि चार महीने से पहले यह सरकार जाने वाली है। इस सरकार के गिने-चुने दिन ही बाकी हैं।

श्री बंसी लाल : आज भी मैं यह बात साफ करता हूं कि यह भागने वाला है इसने बैठना तो है नहीं।

श्री भजन लाल : मैं यहां रहूं या जाऊं मेरे तो दोनों हाथों में लड्डू हैं। अगर जनता की कृपा होगी तो लोकसभा का एम0पी0 बन जाऊंगा। जहां से हाई-कमान कहेगी, वहीं से ही चुनाव लड़ूंगा। (विघ्न) जहां से बंसी लाल जी चुनाव लड़ेंगे मैं भी वहीं से ही चुनाव लड़ूंगा। (विघ्न)

श्री बंसी लाल : और अगर मैं चुनाव ना लड़ूं तो। (शोर)

श्री भजन लाल : बंसी लाल जी, आप जानते हैं कि 1977 में क्या हुआ था और फिर उसके बाद आप 1986 में मुख्यमंत्री बने। अगर मैं सारी कहानी बताऊंगा तो बहुत समय लग जाएगा। (शोर) अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे अर्ज कर रहा हूं कि पानी और बिजली की कमी से आज किसानों की हालत बहुत ही बुरी है। हर लिहाज से आज किसान परेशान है। आज किसानों की नरमे और कपास की फसलें बर्बाद हो गई हैं। इस बारे में हम ने आपको एक काल अटैंशन मोशन भी दिया था लेकिन उसका अभी तक कोई जवाब नहीं दिया गया है। इसके अतिरिक्त जौरो, सरसों, सूरजमुखी तथा गेहूं की फसलों का भी नुक्सान हुआ है। गेहूं की फसल की केवल 50 प्रतिशत ही बिजाई हो पाई है। (शोर)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, आन ए प्वाइंट आफ आर्डर। आज ये किसानों के हितैषी बन रहे हैं। (शोर) इनके समय में तो जब किसान प्रदर्शन करने के लिए जा रहे थे तो इन्होंने उनके ट्रैक्टरों के ईंजन में रेत डलवा दिया था। (शोर)

श्री भजन लाल : आज क्या हो रहा है? हमारे समय में तो जब बाढ़ की वजह से खेतों में पानी खड़ा था, तो हम ने किसानों को मुआवजे के रूप में 3000 रुपए प्रति एकड़ दिए थे।

श्री बंसी लाल : इन्होंने 3 हजार रुपए प्रति एकड़ किसानों को जो मुआवजा दिया था वह उस भारत सरकार से कर्जा लेकर के दिया था, जिसको इन्होंने गिरते हुए बचाया था। इन्होंने उस वक्त चुनावों के लिए भारत सरकार से 300 करोड़ रुपया कर्ज लेकर के किसानों को बांटा, लेकिन फिर भी इन को वोट नहीं मिल सके। जो कर्जा 300 करोड़ रुपए का इन्होंने लिया था, उसकी 139 करोड़ रुपए की सालाना किस्त अर्थात् 100 करोड़ रुपए कैपिटल पूंजी के और 39 करोड़ ब्याज के हम दे रहे हैं। (शोर)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, यह हाउस है। ये जो जी में आए बोलते जाएं और इनको रोकने वाला कोई नहीं है। मैं कहता हूं कि हम ने तो किसानों को 3 हजार रुपए प्रति एकड़ मुआवजे के रूप में दिए लेकिन इस सरकार ने तो एक धेला भी नहीं दिया। यह रिकार्ड की बात है।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, ये कह रहे हैं कि 3 हजार रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से किसानों को बांटा। मैं पूछना चाहता हूं कि इन्होंने इस पैसे को किसानों में ऐसे ही बांटा या कर्जा लेकर के बांटा?

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, कर्जा भी उसी को मिलता है जिसकी कोई क्रेडिबिलिटी होती है। इसके लिए बाकायदा कायदे-कानून होते हैं।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, इनकी सरकार का एक साल भी नहीं हुआ था, और इन्होंने आते ही कर्ज लेना शुरू कर दिया था।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, ऋण भी उसी सरकार को मिलता है जिस सरकार की कोई गुडविल हो। क्या इस सरकार की कोई गुडविल है?

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, भजन लाल जी ने कहा है कि ऋण उस सरकार को मिलता है जिसका कोई क्रैडिट हो। इनकी सरकार के समय का 300 करोड़ रुपए का क्रेडिट था कि हमारी सरकार ने 2400 करोड़ रुपए का ऋण विश्व बैंक से मंजूर करवाया है। यह क्रेडिबिलिटी की बात है।

श्री भजन लाल : क्या आप वह पैसा ले आए हैं?

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, सिर्फ 600 मिलियन डालर अर्थात 240 करोड़ रुपए ही मंजूर हुए हैं।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, 600 मिलियन डालर मंजूर हुए हैं न कि 60 मिलियन डालर।

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, अगर 600 मिलियन डालर मंजूर हुए हैं तो मैं इस सदन की सदस्यता से इस्तीफा दे दूंगा। The loan which has been sanctioned by the World Bank is only 60 million dollars and not 600 million dollars.

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं सदन को बताना चाहता हूं कि ऋण तो 600 मिलियन डालर का ही मंजूर हुआ है लेकिन इसकी 60 मिलियन डालर की पहली किस्त 12.00 बजे हमें फरवरी में मिल जाएगी। अध्यक्ष महोदय, हमारा लोन तो 600 मिलियन डालर का मंजूर हुआ है। 15 तारीख को विश्व बैंक के साथ भारत सरकार के एम्बैसडर ने हमारी सरकार के विहाफ पर दस्तखत कर दिए।

Shri Birender Singh : I have gone into the entire agreement. According to the agreement, the loan sanctioned is only 60 millon dollars which comes to Rs. 240 crores according to the rates of exchange prevailing now.

श्री बंसी लाल : हमारा लोन सैंक्शन तो 600 मिलियन डालर का ही हुआ है लेकिन उसकी पहली किस्त 60 मिलियन डालर की मंजूर हुई है।

Shri Birender Singh : Speaker Sir, only 60 millon dollars loan has been sanctioned.

श्री भजन लाल : आप इस लोन स्वीकृति के कागज दिखा दीजिए।

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी आप 5 मिनट में कनक्लूड करें।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय अभी मेरी आधी स्पीच भी नहीं हुई है।

श्री अध्यक्ष : आपको बोलते हुए 1 घण्टा 5 मिन्ट हो गए हैं।

श्री भजन लाल : एक घंटे में से 40 मिन्ट तो इन्होंने ले लिये हैं। अध्यक्ष महोदय, किसानों की हालत आज बहुत बुरी है। ये किसानों के हमदर्द बनते हैं। इनके अपने जिले भिवानी में और उसके साथ लगते महेन्द्रगढ़ जिले के कितने ही किसानों को गोलियों से भून दिया गया।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। इनके अपने हाथ किसानों के खून से रंगे हुए हैं (शोर) इनके अपने राज में किसानों के साथ बहुत ज्यादतियां हुई। इनके राज में टोहाना में, नारनौल और कादमा में किसानों पर गोलियां चलीं। ये किसानों के कब से हितैषी हो गए?

श्री बंसी लाल : वहां के किसानों को चौधरी भजन लाल और चौटाला ने पहले भड़काया था। चौधरी भजन लाल के राज में पांच लोग मारे गए थे उनके बारे में भी ये बता दें।

श्री भजन लाल : यह बात तो रिकार्ड में है कि हमने किसानों की क्या मदद की है। हमने किसानों के लिये पूरा एग्रीमैंट कर लिया था और हमारी किसानों के साथ बात भी हो गई थी। उस समय हमने किसानों की पूरी मदद की थी लेकिन आपने उनके बारे में क्या किया है।

श्री बंसी लाल : आपने जो एग्रीमैंट किया, क्या उस पर आपने अपने दस्तखत किए थे, हमें तो रिकार्ड में ऐसा कोई एग्रीमैंट नहीं मिला जिस पर आपके दस्तखत हों।

श्री भजन लाल : हम समझते थे कि चौधरी बंसी लाल पहले से कुछ बदल गए होंगे लेकिन इनका रवैया तो पहले से भी बहुत ज्यादा सख्त है। मैं इनको बताना चाहूंगा कि किसानों के प्रति इनका जो रवैया है उसको किसान बर्दाश्त नहीं करेंगे। चौधरी बंसी लाल जी आप इस बात का ध्यान रखना।

श्री बंसी लाल : आपने तो सारी स्टेट को कामर्शियलाइज कर दिया है इसलिये आपको कौन बर्दाश्त करेगा।

श्री भजन लाल : वह भी आपको बता देंगे। अध्यक्ष महोदय प्रदेश के किसानों की बहुत बुरी हालत है। सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की बहुत बुरी

हालत है । कर्मचारियों की तो इतनी बुरी हालत है कि जिसका कोई अन्त नहीं है । इतनी बड़ी तादाद हमने कर्मचारियों की कभी नहीं देखी जो कभी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने यहां चण्डीगढ़ में आए हों ।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । इन्होंने अपने राज में कर्मचारियों को जेलों में बन्द करवा कर उनकी पिटाई करवाई । इन्होंने अपने राज में कर्मचारियों के साथ जो अमानवीय व्यवहार किया उसकी कहीं भी मिसाल नहीं मिलेगी । प्रदेश के कर्मचारियों को चौधरी बंसी लाल जी ने ही चौथा वेतन आयोग दिया था और अब पांचवा वेतन आयोग दिया है ।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल ने तो अपने राज में कर्मचारियों पर पानी की बुलैट चलवाई थी । सर्दी के मौसम में इन्होंने कर्मचारियों पर पानी फैंकवाया था । इन्होंने अपने राज में कर्मचारियों को रेल से नीचे उतार लिया, बसों से नीचे उतार लिया । हमने आज तक किसी कर्मचारी को कहीं पर आते जाते नहीं रोका है ।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने तो कर्मचारियों की जायज मांगे भी नहीं मानी हैं आपको अधिकारी और कर्मचारी इस बार के लोकसभा चुनाव में पूरा सबक सिखा देंगे । (शोर) अध्यक्ष महोदय, मेरा आधे से ज्यादा टाईम तो इन्होंने मुझे बीच बीच में टोक कर खराब कर दिया । अध्यक्ष महोदय, जब ये बीच में बोलते है तो आप इनको कुछ नहीं कहते । अध्यक्ष महोदय, अभी तो मैंने इनकी बहुत सी बेईमानियों के बारे में बताना है । आज प्रदेश में उद्योगों का क्या हाल है ? (शोर) अध्यक्ष महोदय, मैं जितने समय तक बोला हूं उसमें से वन थर्ड टाईम भी मुझे नहीं बोलने दिया है । (शोर)

वाक-आउट

Mr Speaker : Bhajan Lal ji, please take your seat.

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरी बहुत सी बातें बाकी रह गई हैं । अभी तो मैंने यह अभिभाषण आधा भी नहीं देखा है ।

श्री अध्यक्ष : कृपया आप बैठ जाएं । (शोर)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, * * * * * * * * * * * * (शोर)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

Mr. Speaker : Nothing to be recorded. (Interruptions)

श्री भजन लाल : अगर आप मुझे बोलने के लिये समय नहीं दे रहे हैं तो हम एज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक आउट करते हैं ।

(इस समय इंडियन नैशनल कांग्रेस पार्टी के उपस्थित सभी माननीय सदस्य सदन से वाक आउट कर गए)

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री शीर पाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर पेश हुए धन्यवाद प्रस्ताव पर कल से चर्चा चल रही है। मैं अपने विचार इस अभिभाषण के विरोध में प्रकट करना चाहता हूं। स्पीकर साहब, महामहिम राज्यपाल महोदय की कुछ सीमाएं होती हैं । सरकार उनका अभिभाषण छाप कर उनको प्रस्तुत करती है । साल के पहले अधिवेशन में वे अपना अभिभाषण विधान सभा में पढ़ते हैं मुझे इस अभिभाषण को पढ़ने के बाद ऐसा एहसास हुआ है कि कई मुद्दों के बारे में शायद राज्यपाल महोदय को जानकारी नहीं है । सबसे पहले उन्होंने बिजली के बारे में अपने अभिभाषण में जिक्र किया है। बिजली के मामले को लेकर सदन में बहुत लम्बी चर्चा हुई है । इस समय शिक्षा मन्त्री जी सदन में नहीं हैं। मैं शिक्षा के बारे में उनसे कहना चाहता था। अध्यक्ष महोदय, इसी सैशन में यह कहा गया था कि 33 के वी ओ का जहां पर सब स्टेशन है उससे आगे की बिजली के वितरण की सारी कार्यवाही प्राईवेट सैक्टर को दी जा रही है। उसके रखरखाव का बिजली के बिलों की कलैक्शन का सारा अधिकार प्राईवेट सैक्टर को देने की बात कही है । हमारी पार्टी और हमारे विरोधी पक्ष के नेता ने इस निजीकरण के शब्द पर जब दबाव डाला तो उसमें इन्होंने सुधार करके निजीकरण शब्द की जगह सुधारीकरण शब्द रख दिया । (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे विरोधी पक्ष के नेता ने बिजली के बारे में जो आंकड़े दिए उनके अनुसार ये हर साल बिजली के रेट बढ़ाएंगे । विश्व बैंक ने कर्जा देने के लिये जो शर्तें लगाई हैं उन शर्तों में यह तय किया गया कि समय समय पर बिजली की दरों को बढ़ाया जायेगा । जब दरें बढ़ जायेंगी तो किसानों की, आम उपभोक्ता की और घरेलू साईड वालों की या कारखानेदारों की बुरी हालत हो जायेगी । जिसकी ये वर्तमान सरकार के साथी वाह वाह लूटने की कोशिश कर रहे हैं । यह बिजली इतनी महंगी हो जायेगी कि यह आम उपभोक्ता की खरीद से बाहर हो जायेगी इसी सैशन में जब शोक प्रस्ताव आया तो उनमें हमारे देश के जो दो मेजर देश की सेवा करते हुए शहीद हुए थे, उनका उल्लेख हुआ। उनके दुख में सरकार की तरफ से हाउस के नेता ने जो प्रस्ताव रखा था उसका समर्थन हमने भी किया

था लेकिन जो बात मैं कहने जा रहा हूं। शायद आपको ज्ञात नहीं होगी आज कुछ ऐसी खामियां आ गई हैं कि जिनका कोई हल निकाला जाये। मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि दाबोदा गांव की लड़की है उसका पति श्री लंका में जब हमारी शांति सेना वहां गई थी, वह भी गया था और वहां पर वह शहीद हो गया था। उसकी बेवा आमतौर पर झज्जर में रह रही है। उसका बिजली का बिल गलत आ गया। झज्जर ऐक्सीयन ने उसका चालान काट दिया। उस बेवा ने हर स्तर पर प्रशासनिक अधिकारियों के सामने अपनी दुखभरी कहानी कही लेकिन उसकी किसी ने नहीं सुनी। न ही किसी अधिकारी से उसे इंसाफ मिल पाया। अंत में उसके भाई ने रोहतक लोअर कोर्ट से उसकी अग्रिम जमानत ली। बिजली का बिल न देने के मामले में इसी तरह का एक मामला बाबोला गांव का है। उसकी पत्नी झज्जर में रह रही है। उसका पति श्रीनगर फौज में है। इसने झज्जर में मकान बनाया हुआ है। इसका भी बिल ज्यादा आ गया और उससे भरा नहीं गया। बिल न भरने के खिलाफ उसकी एफ0 आई 0 आर0 दर्ज हो गई। (विघ्न) मेरे कहने का मतलब यह है कि जब देश की सेवा करने वाले परिवारों के साथ ऐसा होगा और उनकी औरतें अदालत में जायेंगी और उनके साथ नाइन्साफी होगी तो वे महिलाएं कहीं देश में बगावत न कर बैठें। उनकी समस्याओं की तरफ सरकार को ध्यान देना चाहिए यह मैं कहना चाहता हूं। यह समस्या सैनिक परिवार से जुड़ी हुई समस्या है। इस मामले में हमने एस0 पी0 झज्जर से बात की। बाद में उन्होंने उन महिलाओं को कुछ राहत दी हो तो अलग बात है। इसी प्रकार का एक उदाहरण मैं आपको और बताना चाहता हूं कि बादली गांव का शीशराम प्रजापति जाति का है उसका बिजली का बिल भी अधिक आ गया। (विघ्न) जो लोग आर्मी में काम करते हैं उनके घर में उनकी पत्नी के नाम पर मीटर लगा हुआ है। बिजली के बिल समय पर न भरने की वजह से या अधिक बिल आ जाने के कारण वे भरने में असमर्थ होते हैं तो उनके खिलाफ मुकदमें दर्ज हो रहे हैं। मेरे कहने का मतलब यह है कि अगर इस तरह से जमानतें होंगी और महिलाएं अदालत में जाएंगी तो कहीं देश और प्रदेश की शान्ति भंग न हो जाये, इसका ध्यान रखा जाये। अगर महिलाएं कोर्ट में जाएंगी तो लोगों का विश्वास इस सरकार से उठ जायेगा शीशराम की बेवा जिसका कोई साधन नहीं है और जो गरीबी की रेखा से नीचे रह रही है उसका बिजली का बिल 3 हजार रुपये आ गया। बाद में हमने एस0 डी0 ओ0 बिजली बादली से प्रार्थना की तब कहीं जाकर उसका बिल 280 रुपया हुआ। मेरे कहने का मतलब यह है कि आज पूरे प्रदेश में बोगस बिलिंग हो रही है। आम उपभोक्ता बहुत परेशान है। ये दिक्कतें कई ऐसी हैं जो मुख्य मन्त्री जी के नोटिस में, मन्त्री जी के नोटिस में या हमारे नोटिस में शायद नहीं आती होंगी। बिजली की बिलिंग पूरे प्रदेश में बोगस हो रही है। माननीय हाउस के नेता चौधरी बंसी लाल जी ने चुनावों से पहले कहा था कि जब प्रदेश में कहीं का ट्रांसफार्मर खराब होगा तो मेरी गाड़ी में ट्रांसफार्मर रखा

]श्री वीर पाल सिंह]

होगा, उसको तुरन्त बदल दिया जायेगा। आज जगह जगह बिजली के तार लटक रहे हैं इसी प्रकार से इन्होंने किसानों को 24 घंटे के अन्दर-अन्दर बिजली के कनैक्शन देने की बात कही थी। उपाध्यक्ष महोदय, इसी अभिभाषण में जो आंकड़े दर्शाए गए हैं उनमें यह लिखा है कि चालू वर्ष में नवम्बर तक 106164 घरेलू तथा गैर-घरेलू बिजली कनैक्शन एवं 2988 औद्योगिक कनैक्शन जारी किए गए। हर आदमी चाहता है कि उसके ट्यूबवैल्ज के कनैक्शन लगें। किसानों के वर्ग से आया हुआ प्रत्येक व्यक्ति जो कि जिम्मेदारी के पद पर बैठा है और मन्त्री है, उसके बारे में कोई यह नहीं कह सकता है कि उसने किसानों के हित की बात कही है। आज की सरकार में कोई भी ऐसा सम्मानित साथी नहीं है जो किसानों के लिये कोई बात कहे। इन्होंने सरकार में आने से पहले वायदा किया था कि हम अप्लाई करने के 24 घंटे के भीतर बिजली के कनैक्शन देंगे, इसी वायदे पर यह सरकार बहुमत में आई थी। मैं इसे बहुमत तो नहीं कहता क्योंकि हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय जनता पार्टी तथा कुछ निर्दलीय साथियों की बैसाखियों के सहारे से यह सरकार चल रही है। इसलिये हरियाणा विकास पार्टी तथा भारतीय जनता पार्टी और निर्दलिय लोगों का कर्त्तव्य है कि वह इसे अपना दायित्व समझे और अगर किसी जगह पर कृषि क्षेत्र में बिजली के कनैक्शन नहीं दिए गए हैं तो यह उनकी जिम्मेदारी बनती है कि वे उसको देखें। लेकिन उनमें ऐसा करने का कोई अहसास नहीं है। जिन्होंने मुख्य मन्त्री अथवा मन्त्री के पद को सम्मानित किया है उन्हें किसान की कठिनाई का अहसास होना चाहिए। चौधरी बंसी लाल जी बड़ी सूझबूझ वाले व्यक्ति है। केन्द्र में रेलवे मन्त्री और डिफैंस मिनिस्टर भी रहे हैं और इससे पहले भी हरियाणा प्रदेश की बड़ी लम्बी सेवा कर चुके हैं। जो वायदे उन्होंने चुनाव के दौरान जनता से किए थे अब उनको पूरा करना चाहिए। इस समय बिजली की जो स्थिति स्टेट में है इस बारे उनको जानकारी थी। किसानों और जनता को बिजली न मिलने की वजह से बहुत परेशानी होती है लेकिन इस सरकार ने कुछ नहीं किया। (विघ्न) विरोधी पार्टियों ने जनता के लिये कुछ नहीं किया इसीलिये चुनाव में लोगों ने उनको सत्ता से हटा दिया। इनको इस परिपाटी को ही पीटते नहीं रहना चाहिए बल्कि जनता के हित की बात करनी चाहिए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। माननीय चौधरी वीरपाल सिंह जी बिजली के बारे में कह रहे हैं। मैं आपके माध्यम से इन्हें बताना चाहूंगा कि ऐसी कोई बात नहीं है कि सरकार ने बिजली के सुधार के लिये कोई काम नहीं किया है। हमने बिजली के सुधारीकरण का कार्य शुरू किया है और सबसे पहले प्रधान मन्त्री जी को बुला कर 410 मेगावाट के गैस पर आधारित प्लांट का उद्घाटन फरीदाबाद में करवाया है जिसके चालू हो जाने

से बहुत बड़ा काम हो जायगा। उपाध्यक्ष महोदय, हम चाहते हैं कि इस प्रकार के कदम उठाए जिससे तमाम प्रदेश के किसानों और दूसरे लोगों को फायदा हो सके।

श्री धीरपाल सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मेरी गुजारिश है कि यह कोई प्वायंट आफ आर्डर की बात नहीं थी। मैं आपसे गुजारिश करता हूं कि दूसरे साथी जो नये आए हैं वे किसी बात को कुछ दूसरे ढंग से कह सकते हैं क्योंकि हो सकता है उनको जानकारी कुछ कम रही हो लेकिन जो पुराने लोग बात कहते हैं वे पूरे तथ्यों और जानकारी के आधार पर कहते हैं इसलिये रिप्लाई देते समय उन बातों को ध्यान में रखा जाए। इनमें सदस्यों की बात को सुनने की हिम्मत होनी चाहिए और पूरी बात सुन कर ही रिप्लाई देना चाहिए, बीच बीच में इस प्रकार से इंटरप्ट नहीं करना चाहिए। मुख्य मंत्री जी कहा करते थे कि ट्रांसफार्मर वाली गाड़ी तैयार रहेगी और ट्रांसफार्मर खराब होते ही ट्रांसफार्मर की गाड़ी में ट्रांसफार्मर के तार जोड़ दिए जाएंगे लेकिन आज क्या हालात है गांवों में जो हालत है उसको मैं ब्यान करता हूं। ये लोग तो यहां चण्डीगढ़ में रहते हैं इसलिये इनको बिजली की वास्तविक स्थिति का पता नहीं चलता लेकिन हमारे इन साथियों को कभी गांव में रात गुजारने का मौका नहीं मिला होगा इसलिये इन्हें पता ही नहीं है कि गांवों में बिजली शाम को ही गायब हो जाती है। आज विद्यार्थी के कमरे में शाम को बिजली नहीं है, किसान के ट्यूबवैल के लिये बिजली नहीं है, इसलिये सरकार की यह जिम्मेदारी है कि इस ओर ध्यान दे। विरोधी पक्ष के हाथ में तो यह बात नहीं है। विरोधी पक्ष के लोग तो जो लोगों की समस्या है उसको जोरदार ढंग से उठा सकते हैं। लेकिन उस समस्या का समाधान करने की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष वालों की है। किसान के ट्यूबवैल पर, गांव में और विद्यार्थी के कमरे तक बिजली पहुंचाने की जिम्मेदारी सरकार की है। आप इस जिम्मेवारी से भाग नहीं पाएंगे। इसके आगे मैं एक और बात कहना चाहूंगा कि सुधारीकरण की आड़ में तीन सौ करोड़ रुपये की चर्चा हो रही है। यहां पर प्रदेश के होनहार आफिसर्ज बैठे हुए हैं, प्रदेश की जनता बैठी हुई है। मैं यह कहना चाहता हूं कि पिछले कुछ वर्षों से सरकारें विदेशी बैंकों से ऋण पर पैसा ले रही हैं और उससे काम कर रही हैं। अब तो यह एक रिवायत सी पड़ गई है हमारे अपने रिसोर्सिज आहिस्ता-आहिस्ता खत्म होते जा रहे हैं। आज हमारे ऊपर विदेशी ऋण इतना ज्यादा हो गया है कि उसका भुगतान करना मुश्किल हो गया है। आने वाले सालों में हमारे सामने हमारी सरकार के सामने और इस प्रदेश की जनता के सामने बहुत बड़ी समस्या होगी। आज 7-8 करोड़ रुपए बिजली सुधारीकरण के नाम पर कुछ रुपया दूसरे कामों के नाम पर और कुछ थर्मल प्लांट से बिजली बनाने के नाम पर पैसा विश्व बैंक से लिया जा रहा है। यह पैसा हमारी जनता को ही देना पड़ेगा। यह पैसा जनता से या तो

[श्री धीरपाल सिंह]

टैक्स के नाम पर लिया जाएगा या बिजली की रेटों के बढ़ा कर लिया जाएगा। यह सारा बोझ हमारे प्रदेश की जनता पर ही पड़ेगा। तभी इस ऋण से मुक्ति मिलेगी। आज हमारे प्रदेश की जनता इस बात से अभिज्ञ है। आज कृषि क्षेत्र के लिये बिजली चाहिए। जो फसलें होनी हैं चाहे वह गेहूं की फसल है या जौ की फसल है वह बिजली का इन्तजार नहीं करती हैं। आज जो बिजली की कमी है उसके लिए सरकार जिम्मेवार है। उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में भी कृषि के बारे में लिखा हुआ है। हमारे कृषि मन्त्री जी भी होनहार हैं। जब ये विरोधी पक्ष में होते थे तो इनको भी बहुत पीड़ा होती थी। उपाध्यक्ष महोदय, रोहतक के बारे में इनके पास आंकड़े भी आए होंगे सोनीपत, झज्जर में 50-60 हजार एकड़ जमीन बिना बोए रह गई है यह दायित्व किसका है ? हर बात पर यह देखा जाता है कि वहां पर किस पार्टी का सदस्य है किस का काम होना है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि जमीन किसी की नहीं होती है इस पर किसी का नाम नहीं लिखा होता है। मेरा खुद का इलाका झज्जर में आता है, रोहतक का इलाका है जहां पर बिजाई नहीं हुई है। मन्त्री जी उस गरीब आदमी के पास जाकर बैठें जिनकी जमीन पर बिजाई नहीं हुई है तब इनको पता चलेगा। उपाध्यक्ष महोदय, दक्षिणी हरियाणा में पानी की कमी की वजह से सरसों की खेती होती है।

सिंचाई राज्य मन्त्री (श्री हर्ष कुमार) : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। उपाध्यक्ष महोदय, अभी चौधरी धीरपाल जी ने बोलते हुए झज्जर रोहतक और सोनीपत में किसानों की बिजाई न होने की बात कही है। मैं इनको यह बताना चाहूंगा कि ये तीन चार जिले ऐसे हैं जहां पर 1995 में बाढ़ आई थी और यहां पर खेतों में से एक साल तक पानी नहीं निकाला जा सका था। जहां तक रोहतक की बात है तो मेहम ड्रेन, लाखन माजरा ड्रेन और अन्य ड्रेनें हैं, मेरे ख्याल से इन ड्रेनों का काम 5-6 सालों में पूरा होना चाहिए था वह पूरा नहीं हो सका क्योंकि उन पर लागत लगाने की उस समय हमारी सरकार की स्थिति नहीं थी कि वह इतना खर्चा एक साथ कर सके लेकिन हमने 25 करोड़ रुपये की लागत से ये दोनों ड्रेनें 6 महीने के अन्दर पूरी कीं। अब तो थोड़ा सा ही उनका काम बाकी है। यहां पर जितने भी सदस्य बैठें हैं उनको पता है कि इस बार बेमौसमी की जो बारिश हुई उसके कारण ही बिजाई नहीं हो सकी।

श्री धीरपाल सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मैंने तो कोई भी ऐसी बात नहीं की है जिसके लिए इनको उत्तर देना पड़े। इनको कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए और सच्चाई जनता के सामने रखनी चाहिए।

श्री हर्ष कुमार : मैं भी सच्चाई ही बता रहा हूं । मैं भी किसान हूं और किसान की स्थिति को जानता हूं कि किसान किस परिस्थिति में से गुजरता है । उपाध्यक्ष महोदय, इस बार जब जौरी की फसल पकने पर थी तो भी बे-मौसम की बरसात हुई और उसके बाद तीन बार जब गेहूं की बिजाई का समय आया तो भी बारिश होती चली गई जिसकी वजह से कुछ इलाकों में बिजाई नहीं हो पायी । इसके अलावा कुछ इलाके इस तरह के हैं जहां पर नहरें हैं और जिनकी तरफ करीब दस पन्द्रह साल से आज तक किसी ने भी झांककर नहीं देखा है ।

श्री धीर पाल सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे गुजारिश है कि आप मन्त्री जी को बैठाएं । आपने मुझे बोलने का समय दिया है और मैं आपके कहने से बैठ गया हूं ।

श्री अध्यक्ष : धीरपाल जी, आप हर्ष जी को अपनी बात पूरी कर लेने दें उसके बाद आप बोल लेना ।

श्री हर्ष कुमार : उपाध्यक्ष महोदय, इन्होंने बिजाई की बात की है और मैं इन्हीं की बात का जवाब इन्हें बीच में रोककर दे रहा हूं । सर, उन नहरों की सीपेज की वजह से उन नहरों का कुछ इलाका पानी से भरा हुआ था इसलिये भी वहां बिजाई नहीं हो पायी । जिन नहरों में पिछले 15 सालों से मरम्मत का काम नहीं हुआ था, हमारी सरकार ने उनकी मरम्मत करवायी और जहां पर पानी भरा हुआ था, वहां पानी भी निकलवाया । फिर भी जो थोड़े खेत किसानों के बिजाई होने से रहे गए हैं वे बेमौसम की बरसात की वजह से रहे हैं । इसमें सरकार की कोई लापरवाही नहीं है सरकार ने तो दिन रात करके खेतों का पानी निकाला है । पिछली सरकारों ने कुछ इलाकों में इस तरह के हालात पैदा कर दिए कि वहां के किसानों की मनोवृत्ति बदल गयी और किसान दूसरे के हक का पानी भी अपने हिस्से में लाने लगे तथा उन्होंने इतनी ओवर इरीगेशन की कि दस एकड़ के बराबर का पानी उन्होंने एक एक एकड़ में ही लगाया इसलिये इस वजह से भी उन खेतों में बिजाई नहीं हो सकी । उपाध्यक्ष महोदय, बाकी जो चौधरी धीरपाल जी कह रहे हैं उसमें कोई सच्चाई नहीं है सरकार की कोई लापरवाही नहीं रही है और न ही कोई नीयत खराब रही है ।

श्री धीर पाल सिंह : उपाध्यक्ष महोदय मैंने यह कहा है कि जो आंकड़े ऐग्री-कल्चरल महकमे के पास नीचे से आए उनमें इतना रकबा बगैर बिजाई के रह गया है । हमारे सम्मानित साथी मन्त्री हैं खानदानी परिवार से हैं, ने यह भी कहा कि 1995 में अत्यधिक बारिश होने की वजह से उन इलाकों में पानी खड़ा रहा । मैं यह कहना चाहता हूं कि आज जो इलाके बगैर बिजाई के रहे हैं उनमें पिछले साल बिजाई हुई थी । बेमौसम बारिश जरूर फैक्टर है जिसकी वजह से किसानों की फसलें खराब हुई और उसी बारिश का प्रभाव आज भी

[श्री धीरपाल सिंह]

है कि वहां बिजाई नहीं हो सकी। तो यह कसूर किसान का नहीं है। मुर्गी को छोटी सी सूई का दाग भी बहुत पीड़ा देता है परन्तु शायद बड़े किसान को, मन्त्री जी को या विधायक साथियों को इतनी पीड़ा न होती होगी। लेकिन जिस किसान की सावनी की फसल बर्बाद हुई, साढ़ी की बिजाई नहीं हुई उसकी भूख कहां से पूरी होगी। उसके बच्चों को पढ़ाई के लिये फीस चाहिए, भयंकर सर्दी में गर्म कपड़ों की जरूरत होती है वह कहां से आएंगे। देश की खुशहाली का रास्ता खेतों और गांवों से हो कर जाता है। अगर खेत उजड़ जाएंगे तो देश उजड़ जाएगा।

श्री कर्ण सिंह दलाल: उपाध्यक्ष महोदय, माननीय साथी किसान की स्थिति के बारे जो चित्रण कर रहे हैं वह बिल्कुल ठीक है लेकिन उनको यह बात भी जाननी चाहिये कि जिन खेतों में बुवाई नहीं हो सकी है सरकार के स्तर पर उनके लिये लेट वैरायटी के बीज उपलब्ध कराए गए हैं उसके अलावा जहां सन-लावर की बिजाई हो सकती है उसका प्रबन्ध भी करवाया गया है। हमारा ऐसा मानना है कि जहां पर खेतों में पानी खड़ा होने की वजह से रबी की फसल की बुवाई नहीं हो सकी वहां इस वर्ष के आने वाले समय में वे फसल से वंचित नहीं रहेंगे उसके लिये हम हर तरह से इंतजाम कर रहे हैं।

श्री बंसी लाल: उपाध्यक्ष महोदय, धीरपाल जी ने जो बात अभी कही उसे मैं थोड़ा साफ करना चाहता हूं क्योंकि लगता है कल ये शायद न रहें। मि० कुरैशी हरियाणा के इरीगेशन एण्ड पावर कमिश्नर हैं उन्होंने वर्ल्ड बैंक को चिट्ठी लिखी उसमें लिखा था —

> "....During February, 1998 Haryana State Electricity Board will be invited to increase tariff for non-agricultural tariffs."

ऐग्रीकल्चर पर एक पैसा भी नहीं बढ़ाया जाएगा। आप लोग एक सैंटेंस पढ़ना छोड़ गए। सारा पढ़ें। ऐसा काम न करें।

श्री धीरपाल सिंह: उपाध्यक्ष महोदय, जिस इलाके की मैं बात कर रहा हूं वहां पर झज्जर और रोहतक जिले में सूरजमुखी की खेती नहीं होगी उसका कारण यह है कि वहां नीलगाय अत्याधिक मात्रा में है सूरजमुखी के पौधे पर एक ही फूल आता है और नील गाय उस फूल को बड़े चाव से खाती है उसके बाद बाकी पौधे की कोई उपयोगिता नहीं रहती इसलिये जो ये कह रहे हैं अपने पक्ष में कह रहे हैं कि किसान को फसल की बुवाई सूरजमुखी का बीज देकर कराएंगे। मैं केवल व्यक्तिगत बात कहूंगा। मुख्य मन्त्री जी भी किसान हैं

और कृषि मन्त्री जी भी किसान हैं मैं उस इलाके की पीड़ा को इनके सामने रखना चाहता हूं।

श्री बंसी लाल : उपाध्यक्ष महोदय, मैं धीर पाल जी के नोटिस में एक बात लाना चाहता हूं कि जितना रुपया पिछले डेढ़ साल में उस इलाके की जमीन का पानी निकालने के लिये हमने खर्च किया है उतना रोहतक जिले में पिछले 10–15 सालों में भी खर्च नहीं हुआ ।

श्री धीरपाल सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह बात मानता हूं और मेरा उस इलाके से संबंध भी है । रोहतक के अन्दर 10 हल्के थे उनमें से एक महम हल्का ऐसा था जहां हमारी याद से पहले कोई बाढ़ का पानी वहां पर नहीं आता था। जहां जहां पानी आया पिछली सरकारों ने वहां निकासी के रास्ते किये। कलानौर में पानी आया और महम हल्के में जहां पहले पानी नहीं आता था 1995 की बाढ़ में आया । (विघ्न)

श्री बंसी लाल : महम हल्के में तो हमेशा ही पानी आया कभी भी टाल नहीं हुई । आखिरकार हमने ही उसे मिटाने की कोशिश की है और अब भी मिटा रहे हैं ताकि यह पानी नहीं आये।

श्री धीरपाल सिंह : मैं मानता हूं कि कलानौर के ऊपर वाले इलाके से जो भिवानी को टच करता पानी बहकर वहां आया है। वर्तमान सरकार ने वहां का पानी निकालने के लिये काम किया है लेकिन बाकी जो इलाके रह गये हैं जिसमें 50–60 हजार एकड़ जमीन में पानी खड़ा है जिसके कारण वहां पर सावनी और साढ़ी दोनों फसलें खराब हो गई हैं तथा बाढ़ के पानी का बचाव न होने के कारण वहां के किसान बर्बाद हो गये हैं । उपाध्यक्ष महोदय, आगे सिंचाई के बारे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में चर्चा की गई है । सिंचाई मन्त्री ने कई बार यह कहा कि प्रदेश में 352 छोर ऐसे थे जहां पानी नहीं आता था वह घटकर अब 39 छोर रह गये हैं । यह तो वही बात है कि अधिकारियों की तरफ से आंकड़े आ गये होंगे और मन्त्री जी ने उन आंकड़ों को यहां सदन में अंकित कर दिया । उपाध्यक्ष महोदय, बादली हल्के में ऐसे कई इलाके हैं जो अंतिम छोर पर पड़ते हैं मैं आपके माध्यम से सरकार से यह कहूंगा कि आप इंक्वायरी करवाकर देख लें कि बादली हल्के में वर्तमान सरकार ने कितने गांवों की नहरों के अंतिम छोर पर पानी पहुंचाया है । दूसरी बात मैं एस0 वाई0 एल0 कैनाल के बारे में कहना चाहता हूं। चुनाव से पहले एस0वाई0एल0 नहर की बड़ी चर्चा हुआ करती थी। माननीय चौधरी बंसीलाल जी मेरी जन्म भूमि और कर्मभूमि के हर गांव में बड़े सुन्दर शब्दों में यह कहा करते थे कि गंगा का पानी आयेगा। डिप्टी स्पीकर साहब, भूखे को रोटी चाहिये, अन्धे को आंख चाहियें और उस इलाके को पानी चाहिये क्योंकि वहां की जमीन का पानी खारा है तथा गांव टेल पर होने की वजह से किसानों को और आम आदमी को पानी नहीं मिलता पहले

[श्री धीरपाल सिंह]

साहबी नदी का कुछ पानी आगे निकल जाता था। परन्तु समय के परिवर्तन के कारण वहां ढांसा डेम का निर्माण हो गया जिसके कारण वहां का इलाका तबाह हो गया है। लेकिन पिछले 10--12 साल से माननीय मुख्य मन्त्री जी और हमारे हाउस के नेता चौधरी बंसीलाल जी और उधर जो हमारे साथी बैठे थे इन दोनों की कोशिशों से राजस्थान की साहबी नदी, कृष्णा तथा दूसरी नदियों पर छोटे छोटे डैम बने हैं। उन डैम के बनने के बाद पानी का स्तर नीचे जा रहा है। इस बात को गम्भीरता से उठाया जाये। लेकिन इन बीस महीनों के दौरान वहां पर सरकार ने कुछ नहीं किया है। वह डैम जैसा था, उसी हालत में आज भी है। कितनी मीटिंग्ज हुई होंगी, वह तो इनको ही पता होगा। लेकिन व्यवहार में साहबी नदी का पानी नहीं आने से बड़ा घाटा हुआ है। मैं यह कहना चाहता था कि गंगा का पानी वहां पर लाने का सपना दिखाया गया। पिछले सत्र में भी सिंचाई मन्त्री महोदय ने जवाब दिया था कि सरकार के गठन के बाद वे भीमगोड़ा गए उन्होंने कहा कि वहां पर पानी की उपलब्धता कम थी। क्या चुनाव से पहले उस पानी की मात्रा का ज्ञान नहीं था? उसके बाद कैसे पानी की मात्रा का ज्ञान हुआ मैं यह कहना चाहता हूं कि गंगा का पानी जिसको अमृत समझा जाता है तथा जिस पानी के साथ हमारी संस्कृति व हमदर्दी जुड़ी हुई है वह तो आना ही नहीं है लेकिन एस0वाई0एल0 हमारे प्रदेश के लिये एक जीवन रेखा है। इस मामले में आज तक सभी राजनैतिक पार्टियों ने रोटियां सेंकने का काम किया है। जो पहले विपक्ष में थे, उन्होंने भी ऐसा किया है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : उपाध्यक्ष महोदय, ऑन ए प्वायंट आफ आर्डर। धीरपाल जी, आप सदन में बोल रहे हैं। आपका बहुत ही लम्बा तजुर्बा है। (विघ्न) एस0वाई0 एल0 नहर के नाम पर जितना दिखावा और ढोंग हुआ है, मैं यह पूछना चाहता हूं कि आप व आपकी पार्टी का इसमें कितना सहयोग है?

श्री धीरपाल सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, कल सदन में श्री रामपाल माजरा जी ने बोलते हुए कहा था कि चौधरी बंसी लाल जी की स्पीच में यह लिखा है कि जब वे 1986 में मुख्यमन्त्री थे तो एस0वाई0एल0 नहर का काम उन्होंने करवाया। चौधरी देवी लाल जी ने भूमि अधिग्रहण, अर्थ वर्क और नहर को पक्का करने का 91 प्रतिशत काम करवाया। वह नहर उनके समय में ही पक्की हुई है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : उपाध्यक्ष महोदय, ये बिल्कुल गलत बात कह रहे हैं। ऐसा कहीं नहीं लिखा हुआ है बेशक रिकार्ड मंगवाकर देख लें। (विघ्न)

श्री धीरपाल सिंह : यह चौधरी साहब की स्पीच है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : उपाध्यक्ष महोदय, जब इनकी पार्टी की सरकार थी तो इन्होंने कोई नहर या नाले नहीं बनवाए । हां, प्रदेश की जनता के हितों के साथ खिलवाड़ जरूर किया है । (विघ्न)

श्री धीरपाल सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मैं तारीख तो नहीं बता सकता । लेकिन महीना बता सकता हूं । (विघ्न) हमारी सरकार के समय में पंजाब में ऐसा माहौल पैदा हुआ कि पंजाब में उस चीफ इंजीनियर की हत्या कर दी गई जो हमारा एस. वाई. एल. नहर का कामकाज देख रहा था । उसके बाद वहां पर लेबर कलास के भाईयों की भी हत्या की गई । वहां पर ऐसा माहौल बना दिया गया था कि यह पता नहीं चलता था कि कब किस की हत्या हो जाए । कुछ कहा नहीं जा सकता था । इन हालातों को देखते हुए फरवरी 1991 में जब श्री चन्द्र शेखर जी देश के प्रधान मन्त्री थे और हमारी पार्टी की सरकार थी श्री चन्द्र शेखर जी ने पानी की नजाकत को देखते हुए नहर के निर्माण का कार्य बार्डर रोड आर्गनाईजेशन को सौंप दिया क्योंकि इस के पास आधुनिकतम औजार थे और इस कार्य के बारे में काफी ज्ञान था । इसलिये मेरा आग्रह यह है कि इस नहर के कार्य को जारी रखा जाए । पिछले 5 सालों में कांग्रेस की सरकार के राज में उस आदेश को रद्द कर दिया । आज दो महीने में कार्य पूरा करने के बारे में कहने वाली सरकार को बने हुए बीस महीने हो गए हैं लेकिन यह सरकार एक ईंट भी लगाने में अभी तक सक्षम नहीं हो पाई है । (घंटी)

श्री उपाध्यक्ष : आप केवल 5 मिनट में कन्क्लयूड करें ।

श्री धीरपाल सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मुझे आप दस मिनट और दे दीजिए । इसके साथ-साथ दक्षिणी हरियाणा में एक बात का प्रचार हुआ था कि पानी के बंटवारे में में कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा । लेकिन कभी इस मामले में माननीय सुप्रीम कोर्ट का सहारा लिया जाता है, कभी किसी का सहारा लिया जाता है । जिस मुद्दे पर वोट लेने के बाद यह वर्तमान सरकार सत्ता में आई है तथा अब तो इसको सब कार्य करने का अधिकार प्राप्त है मैं पूछता हूं कि क्या इस सरकार ने उस पानी के बंटवारे का काम किया ?

श्री कर्ण सिंह दलाल : डिप्टी स्पीकर सर, धीरपाल जी कह रहे थे कि दक्षिणी हरियाणा के हिस्से का नहरी पानी चौधरी देवी लाल जी अपने समय में अपने जिले में नहीं लेकर गए थे (शोर)

श्री धीरपाल सिंह : आपने पलवल की रैली में आगरा कैनाल का कन्ट्रोल अपने हाथ में लेने का वायदा किया था लेकिन आपने आज तक अपने उस वायदे को पूरा नहीं किया । अब उसका कन्ट्रोल उत्तर प्रदेश के पास है और उसके पास ही रहेगा । आपने पहल करते हुए अपने रिसोर्सिज से आगरा कैनाल के नालों और माईनर्ज की सफाई की होगी लेकिन उसकी जिम्मेदारी भी उस सरकार की है जिसके पास

[श्री धीरपाल सिंह]

उसका कन्ट्रोल है। आपने अपने स्तर पर वहां के नालों और माइनर्ज की सफाई करवाई है उसमें आपको कोई लाभ होगा मैं उसमें नहीं जाना चाहता। आपने पलवल की रैली में यह कहा था कि दो महीने के अन्दर अन्दर आगरा कैनाल का कन्ट्रोल हरियाणा सरकार अपने हाथ में ले लेगी। डिप्टी स्पीकर साहब, अब मैं इम्पलाईज के बारे में कुछ कहना चाहूंगा। बिजली बोर्ड से करीब 1700 निकाले हुए कर्मचारी कल यहां थरटीबेज बिल्डिंग के सामने धरना दिए हुए बैठे थे। उनके परिवार उजड़ गए हैं जिन्होंने चार साल तक बिजली बोर्ड की सेवा की, इस प्रदेश की सेवा की, उनको नौकरी से निकाला गया है। उनके साथ इतना अन्याय नहीं होना चाहिए। उनके यहां पर इन्टरव्यू हुए थे। चौधरी बंसी लाल जी का बड़ा बड़प्पन होता यदि वह कहते कि किन्हीं कारणों से जिनको नौकरी से निकाल दिया गया था उनको दोबारा फिर से नौकरी में ले लेंगे जैसे पिछले दिनों पंजाब प्रदेश में हुआ पंजाब में कोर्ट ने कुछ अध्यापकों की सेवाएं समाप्त कर दी लेकिन पंजाब प्रदेश के मुख्य मन्त्री सरदार प्रकाश सिंह बादल ने उन अध्यापकों की सेवाएं दोबारा जारी कर दी। हम यह चाहते हैं कि जिन कर्मचारियों को नौकरी से निकाला गया है उनको दोबारा से नौकरी में लिया जाए। यदि हरियाणा के मुख्य मन्त्री ऐसा करते हैं तो यह उनका बहुत ही अच्छा कदम होगा। जो परिवार उजड़े हैं उनका भविष्य अंधकार में चला गया है। मुख्य मन्त्री जी, वे भी गरीब लोग आपके ही परिवार के हैं, इस प्रदेश के नागरिक हैं और इस प्रदेश के बेटा बेटी हैं। उनके घर उजड़ रहे हैं। यह ट्रेजरी बैंचिज की जिम्मदारी बनती है कि उनके साथ न्याय हो। अपोजिशन में होने के नाते हमारा तो केवल यही अधिकार है कि हम आपको यह सब याद दिला सकते हैं इसलिये मेरा कहना यह है कि उन कर्मचारियों के साथ नाइन्साफी हुई है। मुझे पांचवे वेतन आयोग की सिफारिशों के बारे में कुछ कर्मचारी साथी मिले थे। पांचवे वेतन आयोग ने हैडमास्टर के पद के लिये 7500—12000 रुपये का ग्रेड रिकमैंड किया है (घंटी) डिप्टी स्पीकर साहब, आप मुझे थोड़ा सा टाईम और दे दें ताकि मैं अपनी बात कम्पलीट कर सकूं। नियुक्तियों के बारे बात कही गई कहा गया कि नियुक्तियां मैरिट के आधार पर की गई हैं। यह बहुत अच्छी बात है लेकिन मैरिट क्या थी वह मैं आपको बता देता हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, आप उसको नोट कर लें। एक अनीता लड़की है गांव खरमाना, तहसील बहादुरगढ़ हल्का बादली जिला झज्जर की है उस लड़की के मैट्रिक में 66 परसैंट नम्बर हैं, 10 जमा दो में 72 परसैंट नम्बर और जे0 बी0 टी0 में 71 परसैंट नम्बर हैं, उसकी नियुक्ति नहीं हुई। मैट्रिक में 66 परसैंट 10 जमा दो में 72 परसैंट और जे0 बी0टी0 में 71 परसैंट नम्बर लेने वाली लड़की की नियुक्ति इसलिये नहीं हुई क्योंकि वह जिस गांव में पैदा हुई वह नारंगपुर गांव बादली हल्के में है और जिस गांव खरमाना में ब्याही गई वह भी बादली हल्के में है और वह कृषि मन्त्री जी की ससुराल है। उस लड़की का दुर्भाग्य यह

है कि उसके पिता और ससुर दोनों हमारी पार्टी के हमदर्द हैं। चौधरी बंसी लाल जी के एक समधी साहब हैं उनका नाम मैं यहां नहीं लूंगा क्योंकि यह हाउस की परम्परा नहीं है कि जो आदमी सदन का मैम्बर नहीं है उसका नाम यहां पर नहीं लिया जाता। इनके समधी साहब ने जो रिकमैंडेशन भेजी उस पर लिखा है एन० एस० यानि नोट टू बी सिलैक्टिड। डिप्टी स्पीकर साहब, उस लड़की की अयोग्यता यह थी कि वे बादली हल्के में पैदा हुई और बादली में ब्याही गई और उसके परिवार वालों के साथ हमारी पार्टी का संबंध हो गया। यह आप उसका दुर्भाग्य कह लीजिए या उसकी डीक्वालिफिकेशन कह लीजिए। (इस समय श्री अध्यक्ष पदा सीन हुए)

श्री अध्यक्ष : धीरपाल जी आप 12.05 बजे बोलने शुरू हुए थे अब आप कंक्लूड कर।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अभी माननीय सदस्य धीरपाल जी ने बोलते हुए कहा कि मुख्य मन्त्री जी के किसी रिश्तेदार ने उस लड़की की सिलैक्शन न होने देने के बारे में सिफारिश की है। मैं इनको आश्वासन देना चाहूंगा कि हमारी सरकार में किसी भी स्तर पर ऐसी कोई बात नहीं है। जितनी भी सिलैक्शन होती हैं वे सारी मैरिट के आधार पर होती हैं। माननीय सदस्य ने जिस लड़की का नाम लिया है यदि इनको उस बारे में कोई शिकायत है तो वह हमें बता दें।

श्री धीरपाल सिंह : मुझे कोई शिकायत नहीं है मैं तो अपने हल्के के लोगों के कष्ट हाउस के सामने रख रहा हूं। मेरे पास वह लैटर भी है। मैं इस लैटर की एक कापी डायरैक्टर एजूकेशन को भी दे कर आया था। उस लैटर में सी० एम० साहब के समधी साहब के पी० ए० ने डी० ओ० रोहतक के खिलाफ .....

श्री कर्ण सिंह दलाल : सी० एम० साहब के रिश्तेदार किसी सरकारी पद पर नहीं हैं।

श्री धीरपाल सिंह : इसमें उनके पी० ए० शब्द लिखा है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : यह मेरी ससुराल का मामला है आप उसको मेरे पास क्यों नहीं भेजते।

श्री धीर पाल सिंह : स्पीकर साहब, आज यह सरकार हर मोर्चे पर फेल हो रही है। यह सरकार कहती है कि उस समय की सरकार के समय में कादमा में बिजली के बिल न भरने के कारण वहां पर पांच किसानों को मार दिया। इन्होंने उनकी हमदर्दी की की बात कही है। इस सरकार ने भिवानी में निदोष किसानों को गोलियों से भूना। इसके साथ-साथ वहां पर बहन बेटियों के साथ गलत काम हुए उसकी हम निन्दा करते हैं। हम यह चाहते हैं कि इस बारे में हमें राजनैतिक रोटियां नहीं सेकनी चाहिए। बच्चियां चाहे किसी की भी मरी हों उस बारे में धीरपाल राजनैतिक रोटियां नहीं सेकता यह मेरा अपना उसूल है।

श्री अध्यक्ष : अब आप कंक्लूड करें।

श्री धीरपाल सिंह : पिछले डेढ़ साल से मेरे इलाके में अनहोनी बातें हो रही हैं। मर्डर हो रहे हैं अपहरण हो रहे हैं। एक सोंधी गांव ड्रेन नम्बर 8 पर है। दिसम्बर के महीने में उस गांव के पास दो लड़कियों की लाश मिली। उनमें से एक की उम्र 18 या 20 साल की होगी और दूसरी 22 साल की होगी। उसमें ड्रामा क्या हुआ कि झज्जर पुलिस ने उन लाशों के बारे में रानियां के किसी परिवार पर दबाव डाला जिनकी दो लड़कियां गुम हो गई थी, उनको कहा कि आप अपनी बेटियों की लाशें ले जाएं पुलिस वालों ने उन लाशों को लावारिश समझ कर दफना दिया और रानियां के परिवार वालों को उनके कपड़े दे दिये। महीने के बाद जो लड़कियां रानियां की गुम हुई थी वे आ गई मैं इस सरकार से पूछना चाहता हूं कि जो दो लड़कियों की लाशें दफनाई गई थी वे किसी की बेटी थी। उन लाशों के बारे में आज तक यह पता नहीं कि वे किस की बेटियां थी और उनकी हत्याएं किसने की। अब मैं शराब बंदी के बारे में कहना चाहूंगा। माननीय मुख्यमन्त्री जी प्रिवेंसिज कमटी के चेयरमैन हैं। मैंने इनको प्रिवेंसिज कमटी की मीटिंग में कहा था कि अगर आपकी शराब बन्दी की नीति फेल होगी तो उससे विरोधी पक्ष को लाभ होगा हमारी पार्टी इस बात को पक्षधर है कि प्रदेश को शराब से बचाया जाये। यह मैं मानता हूं कि शराब बन्दी के कारण सरकार को आर्थिक घाटा भी सहन करना पड़ रहा है (शोर) आज शराब की तस्करी का धंधा पूरे जोरों पर है। आज पढ़े लिखे युवक जो बेरोजगार है शराब की तस्करी के धंधे में शामिल हो रहे हैं। शराब बन्द करने की जो नीति सरकार अपना रही है, सरकार उसको ठीक तरह से लागू करे। आज समाज का युवक इस बुटि से बचने की बजाये इसमें फंसता जा रहा है, इस तरफ सरकार को ध्यान देना चाहिए। हमारा युवक पथभ्रष्ट हो गया है इसको बचाया जाना चाहिए। (घंटी)

श्री अध्यक्ष : आप अब बैठिये। अब कांग्रेस के कैप्टन अजय सिंह बोलेंगे।

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय मैं एक मिनट में अपनी बात खत्म कर देता हूं। अध्यक्ष महोदय, आज रोहतक और झज्जर जिले में अपराधों की प्रवृति बढ़ती जा रही है। वहां का युवक गलत प्रथा में फंसता जा रहा है और वह बर्बाद हो रहा है। इसको रोकने की कोशिश की जानी चाहिए। शराब बन्दी के मामले में सरकार हर मोर्चे पर फेल हो चुकी है। गवर्नर महोदय को संविधान की धारा के मुताबिक जो भाषण सरकार लिख कर देती है उसको पढ़ना होता है। इसलिये गवर्नर महोदय ने जो अभिभाषण पढ़ा मैं उसका विरोध करता हूं क्योंकि यह अभिभाषण उनका न होकर सरकार का लिखा हुआ है। धन्यवाद।

कैप्टन अजय सिंह यादव (रिवाड़ी) : अध्यक्ष महोदय, मैं सबसे पहले बिजली के बारे में अपने विचार व्यक्त करना चाहूंगा क्योंकि इस अभिभाषण में भी इसी का जिक्र पहले है । इस में बिजली के सुधारीकरण की बात की गई है । दक्षिणी हरियाणा खासतौर से रिवाड़ी और महेन्द्रगढ़ जिलों का उल्लेख मैं यहां पर करना चाहता हूं । जब यह सरकार बनी तो उस वक्त यह कहा गया था कि हम 24 घंटे बिजली देंगे और किसानों को 48 घंटे के अन्दर-अन्दर ट्यूबवैल्ज के कनैक्शन दे देंगे, लेकिन आज आप देख रहे हैं कि ऐसा कुछ नहीं हो रहा। आप जानते हैं कि हमारे यहां पर मंडियाली गांव में जिस तरीके से बिजली की मांग करते हुए किसानों पर पुलिस ने गोली चलाई और उसमें 4 लोग मारे गये । क्या यह सही बात है ? उनका विरोध सिर्फ एक बात को लेकर था और वह स्लैब प्रणाली को समाप्त करने के बारे में था । वहां पर स्लैब प्रणाली कई वर्षों से चली आ रही थी उसको इस सरकार ने समाप्त कर दिया । इसलिये वे उसी को लागू करने की मांग कर रहे थे । हमारे वहां पर पानी का स्तर काफी नीचे है । वहां के किसानों की आर्थिक स्थिति बहुत ही खराब है । हम साथ साथ लगती कंस्टीच्यूएंसी से जो छः नुमायंदे चुनकर आए हैं उनमें से पांच नुमायंदे वहां की जनता ने बंसी लाल जी की पार्टी के चुनकर विधान सभा में भेजे हैं और मैं अकेला कांग्रेस पार्टी का सदस्य हूं। लेकिन उसके बदले में इस सरकार ने उन लोगों पर गोलियां चलवाई जिसके कारण चार किसान मारे गए । मेरे ऐरिया से 6 नुमाइन्दों में से बंसी लाल जी को 5 दिए हैं लेकिन इन्होंने क्या दिया, 4 किसानों को गोली मारी गई। इतना ही नहीं सबसे बड़ी बात तो यह है कि पुलिस ने जिस तरीके से महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार किया वह शायद अंग्रेजों के समय में भी नहीं हुआ होगा। वहां पर एक 80 वर्ष की औरत के पांव तोड़ दिए और 12-13 साल की लड़कियों की बाली उतार ली । मंडियाली स्कूल के बच्चों के साथ भी अभद्र व्यवहार किया गया ।

Mr. Speaker : Now the House is adjourned till 2.30 P.M. today.

*13.00 hrs. | (The Sabha then adjourned till 2.30 P. M. the 21st January, 1998)

30003—H.V.S.—H.G.P., Chd.